NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 16 अंक: 27 लखनऊ, गुरुवार 17 सितंबर 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

आम आदमी पर पड़ेगा असर...यूपीआई चार्ज मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, फैसला वापस लेनी की मांग

एजेंसी।

दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका में 2,000 से अधिक के कुछ यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लगाने के सरकारी फैसले को चुनौती दी गई है। याचिका में इस कदम को मनमाना और वित्तीय बोझ डालने वाला बताते हुए तय की गई सीमाओं और दरों के पारदर्शी आधार पर सवाल उठाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (PIL) दायर की गई है। इसमें केंद्र सरकार के उस हालिया फैसले को चुनौती दी गई है जिसके तहत 2,000 से ज्यादा के कुछ खास P2M (व्यक्ति से व्यापारी) न्च्प् ट्रांजैक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) लगाने की अनुमति दी गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह कदम बिना किसी उचित कानूनी सुरक्षा के मनमाना और देशव्यापी वित्तीय बोझ डालता है। वकील आशुतोष दुबे के जरिए वकील अंजन दत्ता द्वारा दायर इस याचिका में 14 सितंबर, 2026 को 'पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007' की धारा 10। के तहत जारी गैजेट नोटिफिकेशन और 15 सितंबर को घोषित उस फरेमवर्क को चुनौती दी गई है जिसके तहत ज्यादा वैल्यू वाले कुछ खास UPI ट्रांजैक्शन पर डक्त लगाया जाएगा। इस फरेमवर्क के तहत, 2,000 से ज्यादा के योग्य P2M UPI ट्रांजैक्शन पर 0.4: डक्त लगेगा, जिसमें 75,000 और उससे ज्यादा के ट्रांजैक्शन के लिए अधिकतम चार्ज 300 होगा। कुछ खास सेक्टर के लिए अलग-अलग दरें तय की गई हैं। यह फरेमवर्क 15 अक्टूबर से लागू होने वाला है। याचिकाकर्ता ने नए चार्ज और कैटेगरी तय करने के तरीके को चुनौती दी है। उनका तर्क है कि सरकार ने 2,000 के ट्रांजैक्शन की लिमिट, 1 लाख की मंथली-रिसीट कैटेगरी, अलग-अलग सेक्टर के रेट और 75,000 की कैप के पीछे के डेटा या सिद्धांतों को सार्वजनिक नहीं किया है। याचिका में लिमिट से ठीक ऊपर और नीचे के ट्रांजैक्शन के बीच के अंतर पर भी सवाल उठाए गए हैं। याचिका के अनुसार, 2,001 के ट्रांजैक्शन पर प्रतिशत-आधारित चार्ज लगेगा, जबकि 2,000 के ट्रांजैक्शन पर नहीं। इससे एक ऐसी स्थिति पैदा होगी जिसे 'क्लिफ' (अचानक बड़ा बदलाव) कहा जा सकता हैय यह ट्रांजैक्शन के व्यवहार को प्रभावित कर सकता है और एक जैसी स्थिति वाले व्यापारियों के साथ असमान व्यवहार का कारण बन सकता है। याचिकाकर्ता ने उस प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं जिसके जरिए विस्तृत MDR फ्रेमवर्क लागू किया गया था। उनका तर्क है कि रेट तय करने और कैटेगरी बनाने जैसे जरूरी फैसले साफ कानूनी मानकों, जानकारी को सार्वजनिक किए बिना और रेगुलेटरी निगरानी के बिना किसी और को नहीं सौंपे जा सकते। च्प् में इस फैसले से जुड़े सभी रिकॉर्ड मांगे गए हैं। इनमें फ्रेमवर्क का कानूनी आधार, UPI और सर्विसेज स्टीयरिंग कमिटी का गठन और अधिकार, उनके फैसले और मीटिंग की जानकारी (मिनट्स) शामिल हैं। साथ ही, MDR रेट तय करने और UPI इकोसिस्टम में प्राइवेट पार्टिसिपेंट्स के बीच चार्ज बांटने का कानूनी आधार भी मांगा गया है।

यूपी में कानून का राज, सीएम योगी बोले- अपराधी या तो जेल में हैं या दूसरी दुनिया में

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में 119 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब दंगा और कर्फ्यू मुक्त है तथा अपराधियों पर सख्त कार्रवाई जारी है। इसके अलावा यूपी कैबिनेट ने 300 करोड़ रुपये से 14,429 प्राथमिक विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित करने की मंजूरी दी।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखपुर में 119 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब अच्छे लोग चुने जाते हैं, तो नतीजे भी अच्छे ही मिलते हैं। कुछ महीने पहले इस इलाके में 1.5-2 मीटर चौड़ा गड्ढा था और चारों तरफ कचरा पड़ा रहता था। यहाँ गंदगी रही होगी, लेकिन अब यहाँ एक शानदार बाउंड्री बन गई है और उसके ऊपर यह भव्य कल्याण मंडपम बनकर तैयार हो गया है। जगह वही है, लेकिन सिर्फ लोगों के बदलने से देखिए कैसा बदलाव आता हैकृवह बदलाव आज हम सभी को नगर निगम के इस इलाके में साफ दिखाई दे रहा है।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 में सत्ता में आने के बाद, हमने प्रधानमंत्री के निर्देशों के अनुसार उत्तर प्रदेश में सुरक्षा का माहौल बनाने के लिए काम किया है। आज यूपी कर्फ्यू और दंगों से मुक्त है। उत्तर प्रदेश में कानून का राज है। अपराधी या तो जेल में हैं या फिर दूसरी दुनिया की यात्रा पर जा चुके हैं। अब वे न तो खुलेआम किसी को धमका सकते हैं, न किसी का अपहरण कर सकते हैं, न ही किसी बेटी को जबरन अगवा करने की हिम्मत कर सकते हैं और न ही किसी व्यापारी से जबरन वसूली कर सकते हैं।उत्तर प्रदेश सरकार ने बेसिक शिक्षा परिषद के तहत आने वाले 14,429 प्राथमिक विद्यालयों को 'स्मार्ट स्कूल' के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने पत्रकारों को बताया कि मंत्रिमंडल ने 14,429 प्राथमिक विद्यालयों को 'स्मार्ट स्कूल' के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। उन्होंने इसे शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।इसे भी पढ़ें: Chitrakoot Link Expressway | चित्रकूट धाम की यात्रा होगी अब सुपरफास्टरू योगी सरकार ने 1,008 करोड़ के 6-लेन लिंक एक्सप्रेसवे को दी हरी झंडी, 120 ाउधी की रफ्तार से दौड़ेंगे वाहन खन्ना ने कहा कि इस पहल के लिए 300 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है और योजना के तहत प्रत्येक विद्यालय को 2,07,910 रुपये दिए जाएंगे।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर शुरू होगा सेवा संकल्प अभियान, कलकता में बोले राजनाथ सिंह

एजेंसी।

दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा संकल्प अभियान के तहत देश भर में 12 कार्यक्रम आयोजित करने की जानकारी दी। इस अभियान की शुरुआत सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों द्वारा घरों में दीये जलाकर की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान जन-सेवा और राष्ट्र-निर्माण की भावना को दर्शाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को श्सेवा संकल्प अभियानश के बारे में बात की। इस अभियान के तहत गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर देश भर में 12 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान जन-सेवा और राष्ट्र-निर्माण की भावना को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि अभियान की शुरुआत सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के घरों में दीये जलाकर की जाएगी। कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि इस अभियान के तहत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम राष्ट्र-निर्माण और जन-कल्याण की उसी भावना को दर्शाते हैं जो मोदी जी के पूरे जीवन में दिखाई देती रही है। इस अभियान के तहत देश भर में बारह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर मुझे मोदी जी के पिछले 25 सालों के जीवन को एक शब्द में बताना हो, तो मैं कहूंगा - सेवा। उनका पद बदला है, उनकी जिम्मेदारियां बदली हैं, उनकी भूमिका बदली है और चुनौतियां भी बढ़ी हैं। लेकिन उनके जीवन की मूल भावना नहीं बदली है। उन्होंने बताया कि यह अभियान सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के घरों में दीये जलाकर शुरू किया जाएगा और इसमें शामिल होना पूरी तरह से स्वैच्छिक होगा। रक्षा मंत्री ने कहा, 'इसकी शुरुआत सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के घरों में दीये जलाकर की जाएगी। किसी को भी ऐसा करने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा, हालांकि, यह स्वाभाविक है कि जिन लोगों को सरकारी योजनाओं से लाभ मिला है, वे खुश होंगे और प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर दीये जलाना चाहेंगे। इस अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसी कई गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।' रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार के प्रमुख के तौर पर पीएम मोदी की 25 साल की यात्रा ने भारत के विकास को एक नई दिशा दी है और दुनिया में देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि यह सफर, जो गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर उनके पद संभालने के साथ शुरू हुआ और प्रधानमंत्री के कार्यकाल में भी जारी रहा, लगभग पच्चीस साल लंबा है। मेरा मानना है कि इस सफर ने न सिर्फ देश की राजनीति पर असर डाला है, बल्कि भारत के विकास को एक नई दिशा दी है और वैश्विक स्तर पर देश की साख बढ़ाई है। राजनाथ सिंह ने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि सेवा, सहयोग और जन-भागीदारी के जरिए समाज के हर वर्ग को जोड़ने का हमारा पक्का संकल्प है। उन्होंने आगे कहा, ष्इन सभी कार्यक्रमों का मुख्य मकसद समाज के जरूरतमंद लोगों तक विकास की योजनाओं को पहुँचाना, जन-सेवा के काम करना और देश के प्रति हमारी जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है

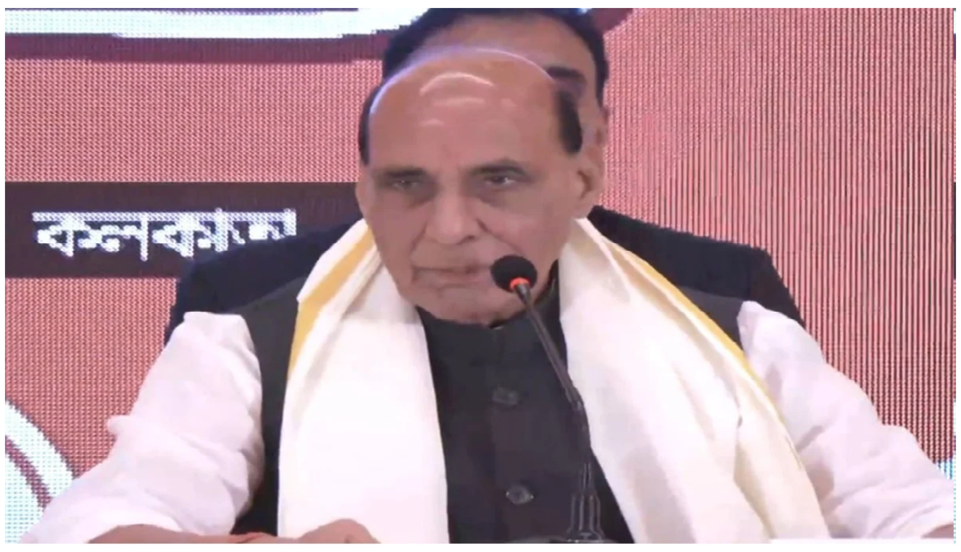

गोरखपुर में स्वास्थ्य सेवाओं के बदलाव का जिक्र, योगी बोले- माफिया और मच्छर की तरह इंसेफेलाइटिस भी हुआ समाप्त

गोरखपुर,लखनऊ(आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि साढ़े नौ वर्ष पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस से तड़पते बच्चों और दम तोड़ते बचपन को देखकर हर जागरूक माता–पिता चिंतित रहता था, लेकिन अब यह चिंता समाप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि माफिया और मच्छर की तरह इंसेफेलाइटिस भी समाप्त हो गया है। आज हम नए युग में नए गोरखपुर और नए उत्तर प्रदेश का दर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में दस–दस बेड की डायलिसिस इकाइयों की सुविधा शुरू की जा रही है।मुख्यमंत्री बुधवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गोरखपुर की ओर से संचालित चौरिटेबल ब्लड सेंटर के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फीता काटकर सेंटर का उद्घाटन किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं, उपकरणों तथा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर जानकारी ली।मुख्यमंत्री ने कहा कि साढ़े नौ वर्ष पहले गोरखपुर का बीआरडी मेडिकल कॉलेज ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र था। उस समय एक ही बेड पर चार–चार मरीज तक भर्ती रहते थे। तीसरी मंजिल पर इंसेफेलाइटिस वार्ड था, जहां पंखे, शौचालय और अन्य जरूरी सुविधाओं का भी अभाव था। उन्होंने कहा कि जो बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्वयं अस्वस्थ स्थिति में था, वही आज सुपर स्पेशियलिटी सेंटर के साथ इंसेफेलाइटिस समेत विभिन्न गंभीर बीमारियों के उपचार का प्रमुख केंद्र बन चुका है।योगी ने कहा कि गोरखपुर में एम्स स्थापित हो चुका है। महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, सिद्धार्थनगर, बस्ती, बलरामपुर, बहराइच, गोंडा, अयोध्या और अंबेडकरनगर समेत विभिन्न जिलों में मेडिकल कॉलेज शुरू हो चुके हैं। प्रदेश में 75 जिले हैं, जबकि मेडिकल कॉलेजों की संख्या 85 हो गई है। दो एम्स भी संचालित हैं। एमबीबीएस की सीटें 4600 से बढ़कर 13500 से अधिक हो चुकी हैं और स्नातकोत्तर की सीटें दोगुनी हुई हैं। नर्सिंग और पैरामेडिकल शिक्षा का भी विस्तार किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय प्रदेश के प्रत्येक जिले की पहचान किसी न किसी दुर्दांत माफिया से जुड़ी हुई थी और डॉक्टर भी उनके शिकार बनते थे। गोरखपुर में डॉक्टरों का अपहरण, रंगदारी की मांग, धमकी भरे फोन और चिकित्सकों के कक्ष में घुसकर मारपीट जैसी घटनाएं होती थीं। इन घटनाओं के खिलाफ उन्हें चिकित्सकों के साथ सड़क पर आंदोलन करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि आज गोरखपुर समेत पूरे प्रदेश में चिकित्सक, व्यापारी और आम नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। अब प्रदेश की पहचान माफिया से नहीं, बल्कि ‘एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज’ के लक्ष्य से बन रही है।रक्तदान के महत्व पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अत्याधुनिक ढांचा, तकनीक, दवाएं और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए जा सकते हैं, लेकिन खून बनाया नहीं जा सकता। रक्तदान संवेदना का प्रतीक है, जिसके माध्यम से एक व्यक्ति जरूरतमंद को नया जीवन देता है। उन्होंने कहा कि रक्त की मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाती है। इसके लिए चिकित्सकों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति लोगों को प्रेरित करना चाहिए और समय–समय पर सामाजिक माध्यमों के जरिए रक्तदान की अपील तथा जागरूकता अभियान चलाने चाहिए।योगी ने पेशेवर रक्तदाताओं को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विभिन्न बीमारियों से ग्रसित पेशेवर रक्तदाताओं पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया गया तो संक्रमण का गंभीर संकट पैदा हो सकता है। ऐसी गतिविधियों की जानकारी शासन–प्रशासन तक पहुंचाने के साथ ही चिकित्सकों को जागरूकता कार्यक्रमों से भी जुड़ना चाहिए।मुख्यमंत्री ने आईएमए के सामाजिक सरोकारों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था केवल चिकित्सा व्यवसाय से जुड़े चिकित्सकों का संगठन नहीं है। गोरखपुर में निशुल्क ओपीडी के बाद चौरिटेबल ब्लड सेंटर की स्थापना कर आईएमए ने सामाजिक उत्तरदायित्व का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था की वास्तविक पहचान इस बात से होती है कि वह अपनी विशेषज्ञता का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने में कितना योगदान देती है।उन्होंने बताया कि वर्ष 2017–18 में गोरखपुर के सीतापुर आई हॉस्पिटल में आईएमए ने निशुल्क ओपीडी शुरू की थी। इसके बाद आईएमए ने अपने कार्यालय के लिए भूमि मांगी तो गोरखपुर विकास प्राधिकरण के माध्यम से भूखंड उपलब्ध कराने में सहयोग किया गया। आईएमए ने इस भूखंड का बेहतर उपयोग करते हुए चौरिटेबल ब्लड सेंटर स्थापित किया है, जो पूर्वी उत्तर प्रदेश के जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने में योगदान देगा।मुख्यमंत्री ने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के सानिध्य में गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय की शुरुआत का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले 10 बेड से अस्पताल शुरू करने की चर्चा हुई थी, लेकिन गोरखपुर के चिकित्सकों के सहयोग से शुरुआत में ही इसे 100 बेड का अस्पताल बनाया गया। इस चिकित्सालय ने यह दिखाया कि सेवा और परोपकार के आधार पर अस्पताल, ब्लड बैंक तथा आईसीयू जैसी सुविधाओं का सफल संचालन किया जा सकता है। यहां रक्त के विभिन्न घटकों को अलग करने, एफेरेसिस और डायलिसिस जैसी सुविधाएं विकसित हुईं। उन्होंने कहा कि जिस डायलिसिस के लिए कभी लोगों को लखनऊ या बीएचयू जाना पड़ता था, आज गोरखपुर में गुणवत्तापूर्ण सुविधा उपलब्ध है। सरकार ने अब प्रदेश के जिला अस्पतालों में भी निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था शुरू करने का कार्य प्रारंभ कर दिया है।योगी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। आईआईटी कानपुर के सहयोग से चिकित्सा तकनीक का उत्कृष्टता केंद्र विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा एसजीपीजीआई लखनऊ में भी उत्कृष्टता केंद्र पर काम चल रहा है।चौरिटेबल ब्लड सेंटर के उद्घाटन समारोह में आईएमए गोरखपुर के अध्यक्ष डॉ. आरपी शुक्ला ने मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और दूरदृष्टि से गोरखपुर तथा प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई मिली है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर चिकित्सा केंद्र और चिकित्सा पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने बताया कि आईएमए के 400 यूनिट क्षमता वाले इस चौरिटेबल ब्लड सेंटर का संकल्प है कि रक्त के अभाव में किसी व्यक्ति की मृत्यु न होने पाए।समारोह को महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव और गोरखपुर ग्रामीण के विधायक विपिन सिंह ने भी संबोधित किया। आभार ज्ञापन आईएमए गोरखपुर के पूर्व अध्यक्ष डॉ. डीके सिंह ने किया, जबकि संचालन आईएमए गोरखपुर के सचिव डॉ. वाई सिंह ने किया। इस अवसर पर एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता, आईएमए गोरखपुर के संयुक्त सचिव डॉ. दिनेश चंद्रा, गुरु गोरखनाथ ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल, डॉ. महेंद्र अग्रवाल, डॉ. अमरेश सिंह, डॉ. सीएम सिन्हा, डॉ. शिवशंकर शाही, डॉ. बबिता शुक्ला सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक मौजूद रहे।

लखनऊ-कानपुर के बाद अब सभी 75 जिलों में पहुचेगा भारत टैक्सी माडल, गांवों तक मिलेगी बाइक-अश्टो-कैब सुविधा

लखनऊ, (आरएनएस)। प्रदेशवासियों की यात्रा सुविधा को विस्तार देने की दिशा में योगी सरकार लखनऊ–कानपुर में संचालित ‘भारत टैक्सी’ मॉडल को अब प्रदेश के सभी 75 जिलों तक पहुंचाने की तैयारी कर रही है। इस सहकारी टैक्सी मॉडल के तहत बाइक, ऑटो और कैब तीनों तरह की परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। खास बात यह होगी कि यात्रियों को बिना अतिरिक्त कमीशन और मांग बढ़ने पर किराये में अचानक वृद्धि से मुक्त विकल्प देने के साथ ही वाहन चालकों को कारोबार में हिस्सेदार बनाने की अवधारणा पर काम किया जा रहा है। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के माध्यम से इस व्यवस्था को शहरों से गांवों तक पहुंचाने की योजना है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर ‘भारत टैक्सी’ मॉडल को प्रदेशव्यापी स्वरूप देने की तैयारी की जा रही है। इसका उद्देश्य राजधानी और बड़े शहरों तक सीमित परिवहन सुविधा को जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना है। इससे जिले के भीतर तथा एक जिले से दूसरे जिले तक यात्रा करने वाले लोगों को रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, हवाई अड्डे, अस्पताल, बाजार और अन्य जरूरी स्थानों तक पहुंचने के लिए स्थानीय परिवहन का एक संगठित विकल्प उपलब्ध हो सकेगा।लखनऊ से शुरू हुए इस मॉडल को सभी 75 जिलों तक ले जाने का मतलब टैक्सी सेवा का विस्तार केवल जिला मुख्यालयों तक सीमित रखना नहीं होगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों को भी इससे जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के नेटवर्क के माध्यम से गांवों में भी परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अस्पताल, बाजार, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे या जिला मुख्यालय तक आने–जाने के लिए स्थानीय स्तर पर बाइक, ऑटो और कैब जैसी सेवाओं का विकल्प मिल सकेगा।

भारत टैक्सी मॉडल में यात्रियों के लिए नो–सर्ज प्राइसिंग की व्यवस्था प्रस्तावित है। आमतौर पर यात्रा की मांग बढ़ने पर किराये में अचानक वृद्धि हो जाती है, लेकिन इस मॉडल में पीक समय के दौरान किराये में इस तरह की बढ़ोतरी से अलग विकल्प उपलब्ध कराने पर जोर है। इससे जरूरी काम से भीड़भाड़ वाले समय में यात्रा करने वाले लोगों को किराये में अचानक उछाल से राहत मिल सकती है और यात्रा खर्च को लेकर अधिक पारदर्शिता कायम करने का प्रयास होगा।इस मॉडल में वाहन चालकों को भी व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की अवधारणा है। जीरो कमीशन व्यवस्था के तहत प्रति यात्रा चालक की कमाई से प्लेटफार्म कमीशन काटने के बजाय सहकारी व्यवस्था के माध्यम से उसे कारोबार से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इससे चालक केवल सेवा प्रदाता की भूमिका तक सीमित न रहकर कारोबार में हिस्सेदार बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। मजबूत चालक नेटवर्क से यात्रियों के लिए सेवा की उपलब्धता और निरंतरता बढ़ाने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वरोजगार के अवसर विकसित करना भी है। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के माध्यम से परिवहन व्यवस्था को गांवों से जोड़ने पर स्थानीय स्तर पर वाहन संचालन से जुड़े रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। इस तरह ‘भारत टैक्सी’ मॉडल को शहरों के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय परिवहन जरूरतों से जोड़ने की तैयारी है।प्रस्तावित विस्तार में यात्रियों और चालकों दोनों को ध्यान में रखा गया है। यात्रियों के लिए बिना अतिरिक्त कमीशन और नो–सर्ज प्राइसिंग वाला परिवहन विकल्प उपलब्ध कराने की योजना है, जबकि चालकों को सहकारी व्यवस्था में हिस्सेदारी देने पर जोर है।

बीबीएयू में भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक कल्याण पर राज्य स्तरीय विमर्श

लखनऊ, (आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के समग्र विकास, भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक कल्याण को लेकर दो दिवसीय राज्य स्तरीय विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के मनोदर्पण प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश लखनऊ समग्र शिक्षा माध्यमिक के संयुक्त शिक्षा निदेशक विवेक नौटियाल, मनोदर्पण प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. विनोद कुमार शनवाल और नोडल सेंटर के समन्वयक डॉ. अर्पित शैलेश मौजूद रहे। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के शैक्षिक मनोविज्ञान एवं शिक्षा के आधार विभाग के प्रमुख प्रो. प्रभात कुमार मिश्रा ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।कार्यक्रम के प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से अतिथियों और शिक्षकों को पौधा, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। इसके बाद प्रो. प्रभात कुमार मिश्रा ने कार्यक्रम से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की और प्रमुख बिंदुओं, निष्कर्षों तथा महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी दी।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने भारतीय और पाश्चात्य दर्शन के बीच तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करते हुए दोनों की जीवन–दृष्टि और प्रकृति के प्रति दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन में संसाधनों के विवेकपूर्ण एवं संतुलित उपयोग तथा प्रकृति के साथ सामंजस्य पर बल दिया गया है, जबकि आधुनिक पाश्चात्य उपभोक्तावादी प्रवृत्तियों ने संसाधनों के अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में व्यक्ति, समाज, सभ्यता, प्रकृति और पर्यावरण को एक–दूसरे से जुड़ा हुआ माना गया है।प्रो. मित्तल ने भारत के समृद्ध प्राचीन इतिहास और ज्ञान–विज्ञान की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राचीन काल में भारत वैश्विक व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थानीय और कुटीर उद्योगों की मजबूत परंपरा रही है। उन्होंने शिक्षकों से भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत को विद्यार्थियों तक पहुंचाने और उन्हें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का आह्वान किया।कुलपति ने भारतीय ज्ञान प्रणाली में वर्णित पंचकोश की अवधारणा पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अन्नमय कोश, प्राणमय कोश, मनोमय कोश, विज्ञानमय कोश और आनंदमय कोश के माध्यम से व्यक्ति के शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक और आनंदमय विकास की समग्र अवधारणा को समझाया। उन्होंने शिक्षकों से भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्यों और समग्र शिक्षा को शिक्षण प्रक्रिया से जोड़ने का आह्वान किया।

धनंजय सिंह शहर पश्चिम व्यापारी महासंघ के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

सुनील केसरवानी पप्पू, मंजीत कुशवाहा महामंत्री, सोनू साहू चुने गए कोषाध्यक्ष

प्रयागराज। शहर पश्चिम व्यापारी महासंघ (पंजीकृत) का चुनाव मंगलवार को पूर्व निर्धारित तिथि के अनुसार सम्पन्न हुआ। बैठक में उपस्थित व्यापारियों ने सर्वसम्मति से पार्षद कामिनी अनिल कुशवाहा व रामलोचन साहू को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। चुनाव अधिकारियों ने अध्यक्ष, महामंत्री और कोषाध्यक्ष पद पर चुनाव की घोषणा की। अध्यक्ष पद के लिए धनजंय सिंह व राजीव कपूर ने पर्चा भरा। महामंत्री पद के पद सुनील केसरवानी पप्पू व मंजीत कुशवाहा ने नामांकन किया। वहीं कोषाध्यक्ष पद पर सोनू साहू ने अपना नामंकन दाखिल किया।

नाम वापसी के समय राजीव कपूर ने अध्यक्ष पद से नाम वापिस ले लिया। जिसे शहर पश्चिम व्यापारी महासंघ का चुनाव निर्विरोध चुनाव घोषित किया गया। चुनाव में निर्विरोध धनजंय सिंह अध्यक्ष, मंजीत कुशवाहा व सुनील केसरवानी पप्पू को महामंत्री, सोनू साहू कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।मुण्डेरा व्यापार मंडल अध्यक्ष धनजय सिंह ने बताया कि 23 अगस्त को महासंघ की बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि 15 सितंबर को शहर पश्चिम व्यापारी महासंघ का चुनाव सम्पन्न होगा।चुनाव में मुख्य रूप से रामलोचन साहू, नरेन्द्र खेड़ा, राजीव कपूर, पप्पू कलश, दिलजीत सिंह, सुमन कपूर, अमित सिंह, अविचल द्विवेदी, अनिल कुशवाहा, मनोज यादव, विजय बहादुर, पिन्टू पटेल, सत्य प्रकाश कुशवाहा, अंकुर रस्तोगी, क्रिसलेय केसरवानी, मुकेश साहू, योगेंद्र कुशवाहा, संजय, मनोज, सत्य प्रकाश सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

रिटायर्ड वायुसेना अफसर और बेटे से मारपीट

बाइक में टक्कर को लेकर विवाद हुआ, पूर्व पार्षद समेत 3 पर एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र में वायुसेना के रिटायर्ड वारंट अफसर और उनके बेटे से मारपीट की गई। रिटायर्ड अफसर का बेटा मोटरसाइकिल से बाल कटवाकर घर लौट रहा था। इसी दौरान उसकी बाइक में दूसरी बाइक सवार ने टक्कर मार दी। बेटे ने दूसरी बाइक सवार से मोटरसाइकिल ठीक से चलाने की बात कही तो विवाद शुरू हो गया। जानकारी मिलने पर पिता मौके पर पहुंचे। तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। मामले में पूर्व पार्षद समेत तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। घटना 14 सितंबर को हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कर्नलगंज थाना क्षेत्र के छोटा बघाड़ा के रहने वाले प्रताप बहादुर सिंह वायुसेना में वारंट अफसर के पद से रिटायर्ड हैं। उन्होंने बताया कि 14 सितंबर की रात करीब 9रू30 बजे मेरा बेटा सुधीर कुमार बाइक से बाल कटवाने गया था। लौटते समय पूर्वांचल चौराहे के पास उसकी मोटरसाइकिल में एक अन्य मोटरसाइकिल सवार ने टक्कर मार दी। सुधीर ने मोटरसाइकिल ठीक से चलाने की बात कही तो आरोप है कि दूसरे पक्ष का युवक गाली–गलौज करने लगा और मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान पूर्व पार्षद नितिन यादव, उनका भतीजा और एक अन्य युवक मौके पर पहुंच गए। उन तीनों ने सुधीर को रॉड और पाइप से पीटा और उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई।प्रताप बहादुर ने बताया कि कुछ बच्चों ने मुझे इसकी जानकारी दी। इसके बाद मैंने मौके पर पहुंचकर बेटे को बचाने के साथ विवाद शांत कराने की कोशिश की। इस दौरान मेरे साथ भी मारपीट की गई।

तहरीर में प्रताप बहादुर ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उनके फौजी होने को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई और अपशब्द कहे गए। कर्नलगंज पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्रा ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जा रही है।

कुलपति के कथित तानाशाही रवैये के विरुद्ध आक्टा का बिगुल

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय और उसके 11 संघटक महाविद्यालयों में वर्षों से लंबित पदोन्नतियों, वेतनमान, नियुक्तियों, सेवा–विनियमन, शोधा– छात्रवृत्ति, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों तथा प्रवेश सीटों में कटौती को लेकर शिक्षकों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय संघटक महाविद्यालय शिक्षक संघ ‘आक्टा’ ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पत्र भेजकर विश्वविद्यालय की कुलपति पर संघटक महाविद्यालयों की सुनियोजित उपेक्षा, प्रशासनिक संवेदनहीनता, संवादहीनता और कथित तानाशाही रवैया अपनाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि लगभग 55 हजार विद्यार्थियों और सैकड़ों शिक्षकों से जुड़ी समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया गया तो लंबे समय से दबा असंतोष व्यापक आंदोलन का रूप ले सकता है।आक्टा के अध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र पाल सिंह की ओर से भेजे गए पत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर एक साथ कई गंभीर सवाल उठाए गए हैं। संघ का सबसे बड़ा आरोप यह है कि वर्षों से शिक्षक अपने वैधानिक अधिकारों और सेवा–लाभों के लिए कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उनकी फाइलें कभी समिति, कभी विशेषज्ञ और कभी अनुमोदन के नाम पर रोक दी जाती हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के पास आदेश जारी करने, शुल्क बढ़ाने और सीटें घटाने का समय है, लेकिन पदोन्नति की प्रतीक्षा में सेवानिवृत्त होते शिक्षकों की सुनवाई के लिए समय नहीं है। आक्टा ने इसे सामान्य प्रशासनिक विलंब नहीं, बल्कि संघटक महाविद्यालयों के प्रति गहरे भेदभाव और जवाबदेही से बचने की प्रवृत्ति बताया है।

पत्र के अनुसार संघटक महाविद्यालयों के सौ से अधिक शिक्षकों ने वर्ष 2019 में प्रोफेसर पद पर पदोन्नति के लिए आवेदन किया था, लेकिन चयन समितियाँ वर्ष 2024 में आयोजित की गईं। इसके बाद भी पदोन्नति का लाभ कथित रूप से शिक्षकों की अर्हता–तिथि से देने के बजाय शासी निकाय के अनुमोदन की तिथि से दिया गया। आक्टा का कहना है कि यह यूजीसी विनियमों के विपरीत है, क्योंकि पात्र शिक्षक को पदोन्नति का लाभ उसकी अर्हता–तिथि से मिलना चाहिए। लगातार पत्राचार के बाद दिसंबर 2025 में अर्हता–तिथि निर्धारित करने के लिए समिति अवश्य बनाई गई, किंतु उसकी केवल एक बैठक हुई। पात्र शिक्षकों से दोबारा आवेदन–पत्र भरवा लिए गए, लेकिन मामले को फिर ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इस प्रशासनिक जड़ता की सबसे बड़ी कीमत उन शिक्षकों ने चुकाई जो पदोन्नति की प्रतीक्षा करते–करते सेवानिवृत्त हो गए। इनमें से 20 शिक्षक न्याय के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय की शरण ले चुके हैं।

आक्टा ने अपने पत्र में कई शिक्षकों के विशिष्ट मामलों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया है कि विश्वविद्यालय द्वारा समय पर विषय–विशेषज्ञ उपलब्ध न कराने के कारण आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की डॉ. सुधा सिंह और ईविंग क्रिश्चियन कॉलेज की डॉ. लिली नाथन पदोन्नति पाए बिना सेवानिवृत्त हो गईं।

ईविंग क्रिश्चियन कॉलेज की डॉ. अल्पना पॉल को चयन समिति की संस्तुति के बाद भी पदोन्नति न दिए जाने का आरोप है। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय की प्रो. नमिता यादव की वर्ष 2024 में प्रोफेसर पद पर पदोन्नति हो जाने के बावजूद उन्हें दो वर्ष बाद भी प्रोफेसर पद का वेतनमान नहीं मिला।

श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज के आयोजनों की कार्यक्रम पुस्तिका का विमोचन

प्रयागराज। श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज, प्रयागराज द्वारा 27 सितंबर से 25 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों की कार्यक्रम पुस्तिका का भव्य विमोचन सिविल लाइंस स्थित एक होटल में शहर उत्तरी के विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी जी के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।विमोचन अवसर पर विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी ने समाज के आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज द्वारा निरंतर किए जा रहे सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज को एकजुट करने के साथ–साथ हमारी गौरवशाली परंपराओं, संस्कृति एवं सामाजिक समरसता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।इस अवसर पर समाज के महामंत्री अभिषेक मित्तल, मंत्री अजीत बंसल, आशीष गोयल, अंकित अग्रवाल, युवा मंडल अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल, वैभव गोयल एवं सौरभ अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने कहा कि श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम केवल धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज में एकता, सेवा, संस्कार और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने का माध्यम हैं।

ब्राह्मणों पर अशोभनीय टिप्पणी के आरोप में भाजपा नेता का भाई गिरफ्तार

प्रयागराज। अतरसुइया थाना क्षेत्र में ब्राह्मण समाज के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में नामजद शिवाकांत वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। अतरसुइया पुलिस ने मंगलवार रात यह कार्रवाई की। फिलहाल पूछताछ में उसने खुद को निर्दोष बताया। यह भी कहा कि उसकी कही गई बातों को चोरी से रिकॉर्ड कर गलत तरीके से पेश किया गया। एक दिन पहले शिवाकांत के बचाव में उनके भाई और भाजपा मुट्ठीगंज मंडल अध्यक्ष परमानंद वर्मा ने वीडियो जारी किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पुराने जमीन और मारपीट के विवाद की रंजिश में उनके भाई को साजिश के तहत फंसाया गया। कहा था कि उनके बड़े भाई का एक व्यक्ति से जमीन को लेकर करीब 30 लाख रुपए का विवाद चल रहा था। उनका आरोप है कि इसी विवाद के चलते उनके भाई के खिलाफ साजिश रची गई।परमानंद के अनुसार पिछले दिनों एक होटल में रुपए के लेनदेन को लेकर बातचीत हो रही थी। वहां कीडगंज निवासी फरहान हुसैन भी मौजूद था। उनका आरोप है कि फरहान ने उनके भाई को उकसाया। इसके बाद उनके भाई ने उस व्यक्ति को लेकर कुछ टिप्पणी की, जो अपने नाम के आगे श्पंडितश टाइटल लगाता है। परमानंद का दावा है कि इसी दौरान वीडियो बना लिया गया। बाद में वीडियो को कथित तौर पर अलग संदर्भमें सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया गया। हालांकि, इन दावों की पुलिस ने अभी पुष्टि नहीं की है।परमानंद ने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने उनके भाई के खिलाफ साजिश रची, उन्होंने पिछले दिनों उनके साथ मारपीट कर सोने की चेन भी छीन ली थी।

ओजोन परत अब बेहतर हो रही है- प्रो. अर्चना पाल

प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ष्लोबल एक्शन फॉर कूलर प्लैनेटष (ठंडे ग्रह के लिए वैश्विक कार्रवाई) विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित करके विश्व ओजोन दिवस मनाया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता, जगत तारन गर्ल्स डिका के भूगोल विभाग की प्रो. अर्चना पॉल का स्वागत प्रो. शिखा दीक्षित ने किया।प्रो. अर्चना पॉल ने ग्लोबल वार्मिंग और ओजोन परत की अवधारणा के बारे में बताया। उन्होंने 1987 के मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल (जिसने ओजोन को नुकसान पहुँचाने वाले पदार्थों को कम किया) और सीएफसीश्ज को कम करने के लिए 2016 के किगाली संशोधन पर प्रकाश डाला।

नए हाइड्रोलिक वाहन का विधि-विधान से पूजन कर नगर पालिका अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

मीरजापुर। नगर पालिका परिषद मीरजापुर के घंटाघर स्थित प्रकाश विभाग में बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर केशरी जी द्वारा नए हाइड्रोलिक वाहन का विधि–विधान से पूजा–अर्चन कर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नए हाइड्रोलिक वाहन के नगर पालिका में शामिल होने से नगर क्षेत्र की विद्युत प्रकाश व्यवस्था के रखरखाव, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत तथा ऊंचाई पर स्थित प्रकाश उपकरणों के रखरखाव में सुविधा मिलेगी। इससे प्रकाश विभाग के कर्मचारियों को कार्य करने में सहूलियत होगी और नगर की प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष ने प्रकाश विभाग के कर्मचारियों को नगर क्षेत्र की खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कर प्रकाश व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए।

दिव्यांग व्यक्ति को ट्राई साइकिल देकर किया सहयोग

कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर केशरी जी ने एक दिव्यांग व्यक्ति को ट्राई साइकिल प्रदान कर सहयोग किया। ट्राई साइकिल मिलने पर उसके चेहरे पर झलकी खुशी और आंखों में आई चमक भावुक कर देने वाली थी। इस अवसर पर अध्यक्ष जी ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सहायता करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। दिव्यांगजन को आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन को सुगम बनाने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाना चाहिए।

ट्राई साइकिल मिलने के बाद दिव्यांग व्यक्ति के चेहरे पर आई मुस्कान यह संदेश देती है कि किसी जरूरतमंद की मदद करना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।

इस मौके पर लिपिक मृत्युंजय सिंह गहरवार जी, विजय गुप्ता एवं पूर्व सिटी उत्तरी मंडल अध्यक्ष महेश गुप्ता जी सहित नगर पालिका के कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीएचसी पर गर्भवती महिलाओं का परीक्षण कैंप आयोजित

कुड़वारध्सुल्तानपुर। गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एक दिवसीय शिविर आयोजित हुआ। शिविर में आई हुई महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आवश्यकतानुसार जांच कराकर दवाइयां वितरित की गई। मंगलवार को स्थानीय सीएचसी पर गर्भवती महिलाओं का जांच शिविर में महिला स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा हाईट, वजन, खून व आवश्यकतानुसार अल्ट्रासाउंड जांच की गई। साथ ही जिन महिलाओं में कमजोरी के लक्षण पाए गए उनके चिकित्सीय देखरेख में भर्ती करके आयरन शुक्रोज लगाए गए। कैंप में महिलाओं के टीकाकरण भी किया गया। अस्पताल पहुंचने वाली गर्भवती महिलाओं में सीमा, सुनीता, सुमन, साधना, संगीता सहित लगभग 60 महिलाओं ने परीक्षण कराकर स्वास्थ्य लाभ लिया।

शासन द्वारा निर्धारित कलेण्डर का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए - कुलपति प्रो. शोभा गौड़

मीरजापुर। माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर से संबद्ध मीरजापुर एवं सोनभद्र जनपद के महाविद्यालयों के प्रबंधकों एवं प्राचार्यों की एक आवश्यक बैठक मंगलवार को माननीय कुलपति प्रो. शोभा गौड़ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में महाविद्यालयों से संबंधित प्रवेश, परीक्षा, पाठ्यक्रम तथा विद्यार्थियों के हित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित कलेण्डर का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं परीक्षा संबंधी गतिविधियां निर्धारित समय–सारिणी के अनुसार संचालित हों तथा महाविद्यालय स्तर पर भी शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पूरी गंभीरता से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने छात्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महाविद्यालयों से अपेक्षा की कि विद्यार्थियों को प्रवेश, पठन–पाठन एवं परीक्षा से संबंधित किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में विशेष रूप से प्रवेश प्रक्रिया की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। विद्यार्थियों को प्रवेश का पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने तथा किसी भी पात्र विद्यार्थी को प्रवेश से वंचित न होने देने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। छात्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रवेश की तिथि 25 सितंबर तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया। कुलपति ने महाविद्यालयों से प्रवेश प्रक्रिया को निर्धारित नियमों के अनुरूप पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने का आह्वान किया।

बैठक में प्रबंधकों एवं प्राचार्यों द्वारा महाविद्यालयों की विभिन्न समस्याओं को भी विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखा गया। कुलपति ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए कुलसचिव को तत्काल समस्या के शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया। बैठक में 2026–27 सत्र से प्रभावी चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के संबंध में भी विस्तार से चर्चा हुई। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. देवेंद्र पाण्डेय ने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं, उसकी संरचना एवं महाविद्यालयों के लिए आवश्यक शैक्षणिक व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने महाविद्यालयों से नए पाठ्यक्रम के अनुरूप आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने पर बल दिया।

बैठक में मीरजापुर एवं सोनभद्र जिले के महाविद्यालयों के प्रबंधकध्प्राचार्य, विश्वविद्यालय के कुलसचिव राम नारायण, परीक्षा नियंत्रक हरीश चंद, शिक्षा संकायाध्यक्ष प्रो. भवभूति मिश्र, समाज विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. अशोक सिंह, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. देवेंद्र पाण्डेय, कृषि संकायाध्यक्ष प्रो. सूबेदार यादव तथा वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो. राज मोहन शर्मा सहित विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर पिता को दी गई अनोखी श्रद्धांजलि, बेटे ने विद्यालय को दी 'स्वच्छ जल' की सौगात

कुशीनगर, (आरएनएस)। पिता की याद में आंखें नम हुईं तो श्रद्धांजलि सिर्फ फूलों तक नहीं रुकी, बेटे ने उनकी स्मृतियों को सेवा की ऐसी धारा से जोड़ दिया, जिसका लाभ अब हर दिन लोगों को मिलेगा। स्वर्गीय अरुण कुमार श्रीवास्तव की पुण्यतिथि पर उनके पुत्र डॉ. संदीप अरुण श्रीवास्तव ने पडरौना नगर के जगदीशपुरम कालोनी स्थित वीणा वादिनी कन्या इंटर कॉलेज में आरओ प्लांट स्थापित कराया। पुण्यतिथि पर किया गया यह प्रयास पिता की स्मृति को समाजोपयोगी कार्य में बदलने की ऐसी पहल रहा है। जिसमें श्रद्धा भी थी और जनसेवा का संकल्प भी। डॉ. संदीप अरुण श्रीवास्तव ने कहा कि छह वर्ष पूर्व कोरोना महामारी के कठिन दौर में उनके पिता का निधन हुआ था। पिता का स्नेह, अनुशासन, संस्कार और समाज के प्रति समर्पण आज भी परिवार को प्रेरणा देता है। ऐसे में उनकी पुण्यतिथि को केवल एक स्मृति दिवस के रूप में मनाने के बजाय उसे समाज के लिए उपयोगी बनाने का संकल्प लिया गया है।उन्होंने कहा कि किसी की स्मृति में किया गया ऐसा कार्य, जिससे दूसरे लोगों को लाभ मिले, वही सच्ची श्रद्धांजलि है। इसी विचार के तहत पिछले कुछ वर्षों से विभिन्न स्थानों पर आरओ प्लांट स्थापित कराने का प्रयास किया जा रहा है,जिससे जरूरतमंद लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या सरोज मिश्रा और प्रबंधक भुवनेश्वर त्रिपाठी, शिक्षक आनन्द मिश्रा सहित जगदीशपुरम कॉलोनी के नागरिकों और शहर के तमाम गणमान्य लोगों ने स्वर्गीय अरुण कुमार श्रीवास्तव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम में परिवार के आलोक श्रीवास्तव, डॉ. वैभव ज्योतिष श्रीवास्तव, अलंकार अरुण श्रीवास्तव, डॉ. सुरभि श्रीवास्तव, रश्मि श्रीवास्तव, दीपाली श्रीवास्तव और शालू श्रीवास्तव मौजूद रहे। परिवार के वरिष्ठ सदस्य एवं बड़े चाचा ज्योति कुमार श्रीवास्तव, माता विमला श्रीवास्तव तथा चाची मंजू श्रीवास्तव ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. संदीप ने उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि समाज के किसी व्यक्ति के जीवन में थोड़ी भी सुविधा जोड़ पाना ही उनके पिता के प्रति सबसे सार्थक श्रद्धांजलि है।

कप्तानगंज पुलिस ने 25 हजार के इनामिया अभियुक्त को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के कप्तानगंज पुलिस ने 25 हजार रुपये के इनामिया अभियुक्त को अवैध पिस्टल .32 बोर मय मैगजीन एवं 02 अदद जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसपी मीडिया सेल से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कप्तानगंज पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 0015ध2026 धारा 115(2), 352, 109, 191(2), 191(3), 351(3) बीएनएस व 7 सीएलए एक्ट में वांछित 25,000ध– रुपये का इनामिया अभियुक्त मो0 आसिफ पुत्र मो0 मुमताज, निवासी वार्ड नं0 08 लाल चौक स्टेशन रोड, थाना कप्तानगंज, जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार किया गया। जिसके पास से एक अदद अवैध पिस्टल .32 बोर मय मैगजीन एवं 02 अदद जिन्दा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस टीम ने बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 3ध25 आर्म्स एक्ट की बढोत्तरी कर गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेज दिया है। पुलिस टीम ने बताया है कि गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ विभिन्न थानों में दर्ज मुकदमों में मु0अ0सं0 61ध2019, धारा 379, 411 भादवि, थाना कप्तानगंज, जनपद कुशीनगर, मु0अ0सं0 62ध2019, धारा 411, 414 भादवि, थाना कप्तानगंज, जनपद कुशीनगर, मु0अ0सं0 199ध2020, धारा 41, 411, 414 भादवि, थाना कप्तानगंज, जनपद कुशीनगर, मु0अ0सं0 477ध2024, धारा 305, 317(2), 317(4) बीएनएस, थाना कप्तानगंज, जनपद कुशीनगर, मु0अ0सं0 595ध2024, धारा 309(4), 317(2), 324(4) बीएनएस, थाना कप्तानगंज, जनपद कुशीनगर, मु0अ0सं0 293ध2018, धारा 379, 411 भादवि, थाना कसया, जनपद कुशीनगर, मु0अ0सं0 380ध2024, धारा 309(2), 317(2) बीएनएस, थाना कुबेरस्थान, जनपद कुशीनगर, मु0अ0सं0 555ध2024, धारा 115(2), 309(4), 317(2) बीएनएस, थाना रामकोला, जनपद कुशीनगर, मु0अ0सं0 570ध2024, धारा 304(2), 310(2), 317(2), 317(3), 317(4), 317(5), 352(2) बीएनएस, थाना रामकोला, जनपद कुशीनगर शामिल है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार राय, उ0नि0 कुलदीप मौर्य, उ0नि0 विवेक पाण्डेय, उ0नि0 अंकित सिंह, का0 रोशन त्रिपाठी, का0 मुकेश यादव, का0 अभिषेक सिंह, का0 संदीप गौतम शामिल रहे।

अवध को समझने के लिए अवधी साहित्य पढ़ना जरूरी-प्रो. के. के सिंह

– राणा प्रताप पीजी कालेज में हुई हिन्दुस्तानी एकेडेमी की राष्ट्रीय संगोष्ठी

सुलतानपुर। जो अवध नहीं आया है वह यहां की साहित्यिक रचनाओं को पढ़ कर इस क्षेत्र को जानता समझता है । जायसी और तुलसी की कविता में अवध की संस्कृति बोलती है। यह संस्कृति बताती है कि ज्ञान यदि आचरण में नहीं तो उसका कोई मतलब नहीं इसलिए विद्या को आचरण से जुड़ना चाहिये।

यह बातें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर कृष्ण कुमार सिंह ने कहीं। वह राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिन्दुस्तानी एकेडेमी के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में भारतीय ज्ञान परम्परा और अवधी साहित्य एवं संस्कृति विषय पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी तीन सत्रों में चली। इसके प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए मुम्बई विश्वविद्यालय के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रामजी तिवारी ने कहा कि अवध की संस्कृति समायोजन की संस्कृति है ।तुलसीदास ने रामचरितमानस के माध्यम से अवध के संस्कृति की प्रतिष्ठा की है।

द्वितीय सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सत्यप्रिय पाण्डेय ने कहा भारतीय ज्ञान परम्परा को मजबूत करने में लोक साहित्य का योगदान वेद शास्त्र से कम नहीं है। कवि घाघ ने स्थापित किया था कि कृषि स्वाधीनता प्रदान करती है और नौकरी पराधीनता दर्शाती है। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामलाल कालेज में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ राजकुमार प्रसाद ने कहा अवधी भाषा में जो प्रेमाख्यान रचे गए हैं वैसा साहित्य किसी भारतीय भाषा में नहीं रचा गया। मध्यकालीन अवधी साहित्य बताता है कि एक ओर तुलसीदास आदर्श समाज की स्थापना कर रहे थे तो दूसरी ओर प्रेमाख्यान के कवि समाज का यथार्थ रच रहे थे। संत तुलसीदास पीजी कालेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सतीश कुमार सिंह ने कहा कि अवध का इतिहास काफी समृद्ध रहा है। तृतीय सत्र में वरिष्ठ साहित्यकार राम बहादुर मिश्र ने कहा कि वर्तमान भाषाई चुनौतियों के बीच मजबूती से खड़ी अवधी दुनिया की विभिन्न भाषाओं में एक सशक्त भाषा के रूप में स्थापित है। केएनआई के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर राधेश्याम सिंह ने कहा भारतीय ज्ञान परम्परा का सौंदर्य उसकी बहुलता में है। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों की संस्कृतियां समाहित हैं। संत तुलसीदास पीजी कालेज के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ ओंकारनाथ द्विवेदी ने कहा कि अवधी साहित्य दुनिया का इकलौता साहित्य है जो किसी राजा के आश्रय में नहीं पला । अवधी साहित्य सच्चे अर्थों में जनचेतना का साहित्य है। अंतिम सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार कमल नयन पाण्डेय ने किया। स्वागत प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी, संचालन संयोजक प्रोफेसर इन्द्रमणि कुमार व आभार ज्ञापन असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के शोधार्थी, शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अमर बलिदानी वीर शहीद ठाकुर रोशन सिंह के सम्मान की मांग पहुँची - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक

प्रयागराज। अमर बलिदानी वीर शहीद ठाकुर रोशन सिंह के सम्मान एवं उनकी स्मृतियों बनाए रखने की मांग को लेकर प्रयागराज में लंबे समय से चल रहे आंदोलन को सोमवार को एक नई दिशा मिली। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय परिसर स्थित शहीद ठाकुर रोशन सिंह के शहादत स्थल पर पिछले लगभग तीन माह से आंदोलन चल रहा है। इसके अंतर्गत 13 दिन तक धरना–प्रदर्शन भी किया गया।

इस आंदोलन में मुख्य रूप से सनातन रक्षक सेना, अखिल क्षत्रिय महासभा सहित सर्व समाज के लोगों ने सहभागिता की। आंदोलनकारियों की प्रमुख मांग है कि स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय का नाम अमर बलिदानी शहीद ठाकुर रोशन सिंह के नाम पर किया जाए तथा उनके शहादत स्थल को सम्मानजनक रूप से विकसित किया जाए।

इस मांग को लेकर पूर्व कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने भी आश्वासन दिया था कि शहीद ठाकुर रोशन सिंह के सम्मान एवं चिकित्सालय के नामकरण से संबंधित मांग को सरकार तक पहुँचाया जाएगा और इस दिशा में प्रयास किए जाएंगे।

वहीं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने भी शहीद ठाकुर रोशन सिंह के सम्मान की बात को सदन में प्रमुखता से उठाने तथा सरकार तक आवाज पहुँचाने साथ ही उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए मैं और मेरी पार्टी मजबूती से खड़ी हैद्य

विगत 9 सितम्बर को धरनास्थल पहुँचकर शहर उत्तरी के विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी ने भी शहीद ठाकुर रोशन सिंह के नाम से बड़े प्रवेश द्वार बनाए जाने तथा उनके सम्मान में परिसर के विकास की बात कही। उनके द्वारा शहीद ठाकुर रोशन सिंह की बड़ी प्रतिमा एवं चिकित्सालय परिसर में बड़ी इमारत का नाम शाहिद ठाकुर रोशन सिंह के नाम पर रखने को कहा,आने वाली पीढियां तक शहीदों की स्मृतियों को बनाए रखने के लिए पुस्तकों में भी अंकित करने तथा उनके जीवन के संघर्ष और बलिदान को याद रखने के लिए संग्रहालय भी परिसर में बनाने के साथ ही शहादत स्थल का सौंदर्यीकरण करने के लिए भी कहा , वहीं चायल विधायिका पूजा पाल ने भी शहीद ठाकुर रोशन सिंह के सम्मान की मांग का समर्थन किया।

इसी क्रम में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज के इलाहाबाद हाईकोर्ट में आगमन के दौरान शहीद ठाकुर रोशन सिंह के सम्मान का मुद्दा मजबूती से उनके समक्ष रखा गया।

सनातन रक्षक सेना के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता बीरेंद्र सिंह पत्रकार,प्रदेश महासचिव मनीष तिवारी एडवोकेट एवं राष्ट्रीय सहसयोंजक विवेक वत्स, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष एवं अखिल क्षत्रिय महासभा प्रयागराज मंडल अध्यक्ष राजकुमार सिंह एडवोकेट,महानगर अध्यक्ष अनिल सिंह अखिल क्षत्रिय महासभा, प्रयागराज मंडल उपाध्यक्ष शिवसागर सिंह, काशी प्रांत विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. के.पी. सिंह, अधिवक्ता उत्पल सिंह पाराशर, देवेंद्र सिंह अधिवक्ता, बली सिंह, रमेश सिंह, शैलेंद्र सिंह मोछा, राजेंद्र यादव मिथलेश गुप्ता सुबोधकांत वर्मा, गोविन्द पटेल,राष्ट्रीय श्रमिक नेता श्यामसूरत पांडेय अजय गोविन्द राव, एडवोकेट राजेश्वर सिंह पूर्व कोषाध्यक्ष, विजय सिंह सूचिता फार्मेसी सहित सर्व समाज के लोगों एवं सैकड़ों अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष शहीद ठाकुर रोशन सिंह के सम्मान से जुड़ी मांग को मजबूती से रखा।

मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपते हुए आग्रह किया गया कि अमर बलिदानी ठाकुर रोशन सिंह की शहादत एवं ऐतिहासिक योगदान को देखते हुए स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय का नाम उनके नाम पर किए जाने एवं उनकी स्मृतियों को चिरस्थाई बनाए रखने के दिशा में सरकार द्वारा ठोस पहल की जाए।

अब मांग पत्र मुख्यमंत्री तक पहुँचने के बाद आंदोलन से जुड़े लोगों की निगाहें सरकार की आगामी कार्रवाही और निर्णय पर टिकी हैं। आंदोलनकारियों ने उम्मीद जताई कि अमर बलिदानी शहीद ठाकुर रोशन सिंह की स्मृति और सम्मान से जुड़ी इस मांग पर सरकार सकारात्मक पहल करेगी।

माह सितम्बर के प्रथम पखवारे में 5,023 वाहनों का चालान कर लगभग 76 लाख का शमन शुल्क किया अधिरोपित

कुशीनगर, (आरएनएस)। कुशीनगर यातायात पुलिस ने सितम्बर माह के प्रथम पखवारे में सघन अभियान चला कर 5,023 वाहनों का चालान कर 76,23,000ध–रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित किया है। कुशीनगर यातायात पुलिस ने माह सितम्बर के प्रथम पखवारे में यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित एवं नियमबद्ध बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन में सघन चेकिंग अभियान चलाया। जिसमें इंटर सेप्टर चार पहिया वाहन से ओवर स्पीड में कुल 1714 वाहनों का चालान कर 37,32,000 रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। जिसमें 177 भारी वाहन व 1537 हल्के वाहन सम्मिलित है। इसके साथ ही जनपद में यातायात पुलिस द्वारा हेलमेट में 1654 चालान कर 16,54,000 रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित, मदिरा में 38 चालान कर 3,80,000 रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित, नो पार्किंग में 429 चालान कर 2,14,500 रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित, साइलेंसर मोडिफाई करने वाले वाहनों के विरूद्ध 07 चालान कर 70,000 रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित किया गया है। उक्त चालान व इसके अतिरिक्त अन्य सभी चालानों को मिलाकर जनपद में माह सितम्बर के प्रथम पखवारे में कुल 5023 चालान कर 76,23,000 रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित किया गया है।

मिन्हाज अहमद छोटे खान के निवास पर स्वागत किया गया

मिर्जापुर 16 सितंबर को मिन्हाज अहमद छोटे खान को उत्तर प्रदेश का प्रवक्ता बनाए जाने पर किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय दुबे एवं कांग्रेस नेत्री राधा बिंद कांग्रेस जनों के द्वारा निवास स्थान डंकिनगंज पर स्वागत किया गया मिन्हाज अहमद छोटे खान ने कहा कि मैं धन्यवाद देता हूं, सभी लोगो का मेरे ऊपर भरोसा जताने के लिए अपने नेता जननायक आदरणीय राहुल गांधी एवं श्रीमती प्रियंका गांधी का, राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय मल्लिकार्जुन खरगे जी का, संगठन महासचिव झ्ब वेणुगोपाल ।प्ब्ब मीडिया विभाग चेयरमैन आदरणीय पवन खेड़ा हमारे ऊर्जावान प्रभारी उत्तर प्रदेश कांग्रेस आदरणीय राजेंद्र पाल गौतम और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पुर्व मंत्री अजय राय मीडिया चेयरमैन सीपी राय प्रियंका गुप्ता जी संजीव सिंह का जिन्होंने मुझे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के द्वारा न्च की प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी, उसे अपनी पूरी ताकत और ऊर्जा के साथ पार्टी की विचारधारा को बढ़ाने का काम करूंगा, छात्रों, शोषित – वंचित, गरीबों, किसानों, महिलाओं की आवाज को बुलंद करने का काम करूंगा

बधाई देने में उपस्थित उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय दुबे पिछड़ा प्रदेश कांग्रेस की नेत्री राधा बिंद सोशल मीडिया के अंकुर श्रीवास्तव आजाद सरदार रवि बिट्टू जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव राजेंद्र विश्वकर्मा मृत्युंजय मिश्रा अधिवक्ता विजय कुमार सिराज भाई आदि लोगों ने बधाई दिया

कुशीनगर में बिना नंबर प्लेट के फर्राटा भर रहीं नगर पालिका की गाड़ियां

कुशीनगर (आरएनएस)। जनपद से एक ऐसी प्रशासनिक लापरवाही और दोहरे चरित्र का मामला सामने आया है जो कानून के रखवालों की कार्यशैली पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर रहा है। एक तरफ जहां सरकार और प्रशासन सड़क सुरक्षा तथा यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने का दावा करते हैं, वहीं दूसरी तरफ खुद सरकारी तंत्र के भीतर नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। कुशीनगर नगर पालिका परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों के संरक्षण में दो दर्जन से अधिक चार पहिया वाहन बिना नंबर प्लेट के शहर की सड़कों पर धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। गंभीर बात यह है कि जनता के लिए कड़े नियम बनाने और मामूली चूक पर भारी–भरकम जुर्माना वसूलने वाली पुलिस और परिवहन विभाग की नजरों के सामने से ये अवैध गाड़ियां रोजाना गुजरती हैं, लेकिन मजाल है कि कोई इनका चालान काटने या अन्य कार्रवाई करने की हिम्मत जुटा सके। बताते चलें कि जनपद में यातायात एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और नियमों का पालन करवाने की जिम्मेदारी जिन कंधों पर है, वे खुद इस गंभीर अनियमितता के मूकदर्शक बने हुए हैं। स्थिति यह है कि नगर पालिका की दो दर्जन से अधिक चार पहिया गाड़ियां बिना किसी वैध नंबर प्लेट के शहर के प्रमुख मार्गों पर फर्राटा भर रही हैं। इन वाहनों का उपयोग मुख्य रूप से कूड़ा उठाने, उसकी ढुलाई करने, विभिन्न वार्डों में निर्माण सामग्री पहुंचाने और अन्य विभागीय कार्यों के लिए किया जाता है।

शोसल मीडिया में वायरल तस्वीर बना चर्चा का विषय, वाइस प्रिंसिपल और छात्रा संग फोटो ने मचाया बवाल

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के कठकुइयां बाजार स्थित राम नारायण इंटर कॉलेज से जुड़ी एक तस्वीर इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। तस्वीर में विद्यालय के वाइस प्रिंसिपल अभिषेक प्रताप के साथ कक्षा 11वीं की एक छात्रा के अकेले कार्यालय में मौजूद होने का दावा किया जा रहा है। तस्वीर सामने आने के बाद विद्यालय परिसर से लेकर सोशल मीडिया तक चर्चाओं का बाजार गर्म है। लेकिन तस्वीर में जो दिखाई दे रहा है, उसके पीछे की कहानी क्या है? यही सवाल अब पूरे मामले का केंद्र बन गया है।वायरल तस्वीर को विद्यालय के कार्यालय का बताया जा रहा है। सोशल मीडिया पर इसे लेकर तरह–तरह के दावे व टिप्पणियाँ किए जा रहे हैं। कोई इसे गंभीर सवालों से जोड़ रहा है तो कोई तस्वीर पर ही सवाल उठा रहा है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से भारत को क्या लाभ?

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि ब्रिक्स की स्थापना अमेरिका में हुई है। वर्ष 2006 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मौके पर ब्रिक विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में ब्रिक को औपचारिक रूप दिया गया था। ब्रिक का पहिला उद्घाटन शिखर सम्मेलन वर्ष 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में आयोजित किया गया था।दिनांक 12 एवं 13 सितम्बर 2026 को ब्रिक्स का 18वां शिखर सम्मेलन दिल्ली के भारत मंडपम में सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया। ब्रिक्स का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सहयोग बढ़ाना है। इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों के साथ ही 10 अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री एवं उच्च स्तर के अधिकारी शामिल हुए। वर्ष 2025–26 के लिए भारत को ब्रिक्स का अध्यक्ष बनाया गया था, अतः भारत ने इस वर्ष ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी एवं अध्यक्षता की। ब्रिक्स के माध्यम से विश्व की 11 प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं एवं विकासशील देशों को एक मंच प्रदान किया जाता है। ब्रिक्स में शामिल देशों की कुल आबादी विश्व की कुल जनसंख्या का 49.5 प्रतिशत है और विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी है तथा वैश्विक व्यापार में 26 प्रतिशत की भागीदारी है। इससे वैश्विक स्तर पर ब्रिक्स का महत्व स्वयं ही स्पष्ट हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और वित्तीय स्थिति, दूरसंचार, कृषि, श्रम, रोजगार, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना, व्यापार और विश्व व्यापार संगठन सहित वैश्विक मुद्दों पर विचार विमर्श करते है। इस वर्ष के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की थीम "लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण" रखी गई थी। शिखर सम्मेलन में 45 पन्नों एवं 140 बिंदुओं के "नई दिल्ली घोषणापत्र" को समस्त सदस्य देशों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया था। इस सम्मेलन की यह सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि इस सम्मेलन में आपस में कुछ विरोधाभासी विचार रखने वाले देश (ईरान, साऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात) भी शामिल थे। ईरान के राष्ट्रपति एवं यूएई के राष्ट्रपति के बीच शिखर सम्मेलन के बीच आपस में वार्ता सम्पन्न हुई थी, जबकि दोनों देशों के बीच अमेरिका–ईरान युद्ध के संदर्भ में तनाव की स्थिति कायम है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि ब्रिक्स की स्थापना अमेरिका में हुई है। वर्ष 2006 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मौके पर ब्रिक विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में ब्रिक को औपचारिक रूप दिया गया था। ब्रिक का पहिला उद्घाटन शिखर सम्मेलन वर्ष 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में आयोजित किया गया था। वर्ष 2010 में न्यूयॉर्क में ब्रिक विदेश मंत्रियों की बैठक में दक्षिण अफ्रीका को शामिल करने के साथ ब्रिक को ब्रिक्स में विस्तारित करने पर सहमति हुई थी। तदनुसार, दक्षिण अफ्रीका ने 2011 में सान्या

में तीसरे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जनवरी 2024 से और इंडोनेशिया जनवरी 2025 में ब्रिकस के पूर्ण सदस्य बने। इसके बाद बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, क्यूबा, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम 2025 में भागीदार देशों के रूप में ब्रिक्स में शामिल हुए।भारत के प्रधानमंत्री ने अपने उदबोधन में उक्त ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कई आवश्यक एवं महत्वपूर्ण विषयों की ओर समस्त सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले कई उत्पादों के निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगाया था, इसी प्रकार चीन ने भी आवश्यक मिनरल के निर्यात पर कुछ प्रतिबंध लगाए थे, इस प्रकार की स्थित पुनः न बनें इस हेतु यह सुझाव दिया गया है कि तकनीकी एवं आवश्यक मिनेरल्स को विभिन्न देशों द्वारा हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं करना चाहिए इसका सीधा सीधा विपरीत प्रभाव विकासशील देशों के विकास पर पड़ता है। जब हम वैश्विक स्तर पर एक परिवार की बात करते हैं तो प्राकृतिक संसाधनों पर इस ध
रा पर निवासरत पूरी मानवजाति का समान अधिकार है। इसके उपयोग को कुछ देशों द्वारा रोका नहीं जाना चाहिए। भारतीय सनातन संस्कृति में तो प्रकृति को मां के समान माना जाता है, अतः प्रकृति का शोषण नहीं बल्कि आवश्यकता अनुसार दोहन होना चाहिए। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन भी आवश्यक है। विकास और पर्यावरण एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं केवल आवश्यता है कि दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाय। हाल ही के समय में महामारी, जलवायु आपदाओं एवं सप्लाई चौन में रुकावटों ने दिखाया है कि विभिन्न देश एक दूसरे पर किस प्रकार निर्भर है। एक देश में आया संकट दूसरे देश को भी प्रभावित करता हुआ दिखाई दे रहा है। ब्रिक्स के सदस्य देशों को आपस में सहयोग बढ़ाने तथा सप्लाई चौन को मजबूती प्रदान करने की ओर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच आपस में छोटे कारोबारों को बढ़ावा दिए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए और उन्हें नए बाजार और पर्याप्त वित्त की सुविधा उपलब्ध कराए जाने के प्रयास भी होने चाहिए ताकि रोजगार के नए अवसर निर्मित हों और अंतिम पंक्ति पर खड़े नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सके। इसके लिए "ब्रिक्स कनेक्ट" के माध्यम से गरीब नागरिकों को काम के लिए आवश्यक कौशल सीखने, रोजगार के अवसर बढ़ाने एवं मातृशक्ति को अधिक काम के मौके देने का प्रयास किया जाना चाहिए। छोटे कारोबारियों को मदद पहुंचाने के उद्देश्य से ठत्प्ब्ै डैडम् पोर्टल प्रारम्भ किया गया है। इससे छोटे कारोबारी नए बाजारों से जुड़ सकेंगें। ब्रिक्स देशों में कार्य कर रहे स्टार्टअप्स को आपस में जोड़ने के लिए ब्रिक्स इनक्युबेटर नेटवर्क बनाया जा सकता है। इसी प्रकार, नए और बड़े स्तर के नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड भी बनाया जा सकता है। ब्रिक्स देश आपस में कारोबार को सरल बनाने के उद्देश्य से स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं और अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल कम करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ साथ, अलग अलग देशों के ऑनलाइन डिजिटल पेमेंट सिस्टम को आपस में जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है। इससे एक देश के नागरिकों को दूसरे देश के नागरिकों को राशि भेजना बहुत आसान होगा और अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता कम होगी।

ब्रिक्स स्थापना से भारत को विशेष लाभ हुआ है। सामरिक दृष्टि से भारत का वैश्विक स्तर पर महत्व बढ़ा है। भारत आज न केवल ब्रिक्स बल्कि जी–20, जी–7, क्वाड, एससीओ जैसे वैश्विक संस्थानों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इससे वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ी है एवं अन्य देश आंज भारत की आवाज को गम्भीरता से सुन रहे हैं। विभिन्न देशों के नागरिक आज सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपनाने हेतु लालायित हैं क्योंकि इस संदर्भ में भारत के व्यवहार से ये देश अत्यधिक प्रभावित हैं। साथ ही, भारत को कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी होने जा रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश बढ़ने की सम्भावना बनी है। ब्रिक्स के 21 सदस्य देशों के बीच आपसी समझदारी बढ़ी है और इससे इन देशों के बीच आर्थिक साझेदारी भी बढ़ेगी। आतंकवाद के खिलाफ मजबूत संदेश गया है कि भारत किसी भी कीमत पर आतंकवाद को पनपने नहीं देगा। नई दिल्ली घोषणापत्र में रूस एवं चीन सहित समस्त ब्रिक्स सदस्य देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा भी की है। इसमें यह भी कहा गया है कि आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्यवाही करनी चाहिए। साथ ही, आतंकियों तक पहुंचने वाली फंडिंग को रोकने और उन्हें सुरक्षित ठिकाने देने वालों पर भी कार्यवाही की जानी चाहिए। भारत आज ग्लोबल साउथ की आवाज बन रहा है। इस क्षेत्र के देश भारत पर भरोसा करने लगे हैं।

सम्पादकीय

निवेशकों का विश्वास

जगदीशन के तीसरा कार्यकाल ना लेने के फैसले को एचडीएफसी बैंक में संस्थागत पुनर्गठन की जरूरत से जोड़ कर देखा गया है। अब बैंक के सामने कॉरपोरेट गवर्नेंस के उच्च मानकों की बहाली की कठिन चुनौती है।

सामान्य स्थितियों में फिर नियुक्ति ना मांगने के एचडीएसी बैंक के महाप्रबंधक और सीईओ शशिधर जगदीशन की घोषणा को उनका निजी फैसला समझा जाता। मगर, जो हालिया पृष्ठभूमि है, उस कारण इस घटना से भारत के इस प्रमुख बैंक के बारे में चर्चित सवालों पर फिर ध्यान गया है। जगदीशन ने अक्टूबर 2026 में अपनी सेवानिवृत्ति के बाद पुनर्नियुक्ति ना मांगने का निर्णय लिया है। इस कदम को बैंक में संचालन संबंधी अनसुलझे मसलों और एचडीएफसी हाउजिंग फाइनेंस कंपनी के साथ उसके विलय के बाद की चुनौतियों के बरकरार रहने का संकेत समझा गया है।

उल्लेखनीय है कि जगदीशन का कार्यकाल बैंक में कॉरपोरेट गवर्नेंस से जुड़े विवादों से प्रभावित रहा। पूर्व गैर–कार्यकारी अध
यक्ष अतनु चक्रवर्ती के ष्नैतिक चिंताओंष का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफा देने, और महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन से संबंधित डिपॉजिट प्रोक्योरमेंट विवाद से बैंक की साख को झटका लगा। क्रेडिट सुइस एटी–1 बॉन्ड सहित विदेशी संपत्तियों की बिक्री के मामले में जोखिम संभालने संबध
ी बैंक के मानकों पर सवाल उठे। हालांकि वित्तीय मोर्चे पर बैंक में स्थिरता रही, लेकिन विलय के बाद उसके मुनाफे में आई कमी आई। उससे निवेशकों में उपजे संदेह के कारण शेयर बाजार में बैंक का प्रदर्शन कई वर्षों के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया। लंबे समय तक भारतीय रिटेल बैंकिंग का गोल्ड स्टैंडर्ड माने जाने वाले इस बैंक के लिए ये रुझान चिंता का कारण बने हुए हैं।

आम चर्चाओं में बैंक में संचालन संबंधी गलतियों को लेकर कयास लगाए गए हैं। संदेह जताया गया है कि हालिया वर्षों में ऐतिहासिक स्थिरता के रिकॉर्ड से बैंक भटक गया है। इसीलिए जगदीशन के तीसरा कार्यकाल ना लेने के फैसले को बैंक में संस्थागत पुनर्गठन की जरूरत से जोड़ कर देखा गया है। अब बैंक प्रबंधन के सामने जगदीशन के उत्तराधिकारी की अविलंब खोज और कॉरपोरेट गवर्नेंस के उच्च मानकों की बहाली की कठिन चुनौती है। एचडीएफसी की भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए उसके अंदर की घटनाओं पर सबकी निगाह होना लाजिमी है। इसे समझते हुए बैंक के कर्ता–ध
र्ताओं को निवेशकों का विश्वास फिर हासिल करने के ठोस कदम जल्द उठाने चाहिए।

प्रदेशभर में होंगे जनसेवा के कार्यक्रम

सेवा संकल्प अभियान्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित एक महीने का देशव्यापी अभियान है। इसका मकसद मोदी के सेवा और विकास से जुड़े कामों को लोगों तक पहुंचाने के साथ जनसेवा के कार्यक्रमों को बढ़ाना है। इन कार्यक्रमों में रक्तदान शिविर, सफाई अभियान, स्कूलों में प्रतियोगिताएं आदि शामिल हैं। इस अभियान का उद्देश्य जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करना, विकसित भारत 2047 का सामूहिक संकल्प लेना, केन्द्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाना तथा प्रत्येक परिवार की सहभागिता के साथ व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

सेवा संकल्प अभियान्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के (मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में) निरंतर जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यकाल के सम्मान में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाला एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। सेवा गतिविधियां में नागरिकों को रक्तदान, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य परीक्षण, जल संरक्षण और डिजिटल साक्षरता जैसी 25 सेवा गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। श्रमदान के रूप में नागरिकों से कम से कम 25 मिनट श्रमदान करने की अपील की गई है, जिसकी फोटो या वीडियो माई भारत पोर्टल पर अपलोड करने पर डिजिटल प्रमाण–पत्र मिलेगा।

विशेष कार्यक्रम के रूप में 17 सितम्बर 2026 को आशीर्वाद का दीया, नमो सेवा गाथा के तहत संभागीय मुख्यालय रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, अंबिकापुर (सरगुजा), और जगदलपुर (बस्तर), के आडिटोरियम में संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन से समन्वय कर प्रस्तावित तिथि अनुसार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। नमो सेवा गाथा अंतर्गत नुक्कड नाटक, नृत्य नाटिका जिले केस्थानीय कलाकार के माध्यम से सांस्कृतिक आयोजन किया जाएगा। सेवा सेतु अभियान (विकासखंडों में बहुउद्देशीय शिविर) और सेवा फर्स्ट इनोवेशन चौलेंज जैसी अभिनव गतिविधियां आयोजित होंगी।

इन गतिविधियों का संचालन शासकीय विभागों के साथ–साथ नागरिकों तथा सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से भी किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में सभी आयु वर्ग की महिलायें, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रतिष्ठित व्यक्तियों, जनप्रतिनिधियों, स्वैच्छिक संगठन, शैक्षणिक संस्थाएँ, स्वयं–सहायता समूहों, युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों को सक्रिय रूप से जोड़ा जाएगा।

कब से कब तक चलेगा अभियान यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। 17 सितंबर को पीएम मोदी का जन्मदिन है, जबकि 7 अक्टूबर को उनके सार्वजनिक पद पर 25 साल पूरे होंगे। 17 अक्टूबर 2026 को अभियान का समापन बड़े कार्यक्रम के साथ किया जाएगा।

तो अब शुभेंदु करेंगे गरबा मर्यादा की भी रक्षा?

अब सब हैं कि सेक्युलर तालिबानी आवाजों के विरुद्ध हिंदुओं को चाहिए कि अपना अंगद समान पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्वी वीर हिंदू नायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए।

जिस प्रकार शुद्ध हिंदू उत्सव गरबा में गैर हिंदुओं को शामिल करने की विकृत सेकुलर आवाजें उठने लगीं हैं उनको देखते हुए लगता है कि मुख्यतः गुजरात और महाराष्ट्र में होने वाले गरबा उत्सवों की मर्यादा रक्षा के लिए तेजस्वी हिंदू ध्वज वाहक एवं पश्चिम बंगाल के महानायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सहायता मांगने का समय आ गया है .अब सब हैं कि सेक्युलर तालिबानी आवाजों के विरुद्ध हिंदुओं को चाहिए कि अपना अंगद समान पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्वी वीर हिंदू नायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए।गरबा शक्ति की उपासना से जुड़ा पारंपरिक हिंदू पूजा–स्वरूप है। यह धनकुबेरों और हिंदू–भावना विहीन भीड़ के लिए मस्ती–मस्ती का कार्निवल नहीं है।का बड़ा दावा नृत्यगरबा कोई सेक्युलर मनोरंजन "मेला" नहीं है। यह माँ अम्बा की भक्ति का हिंदू प्रतीक है। जो माँ दुर्गा की पूजा नहीं करते, जो उनके सामने शीश नहीं झुकाते, उनको गरबा में शामिल होने का कोई अधिकार नहीं।इसका मूल रूप और अर्थ हिंदू ब्रह्मांड–दृष्टि, प्रतीकों और दिव्य स्त्री–शक्ति की साधना से आता है।"गरबा" शब्द संस्कृत शब्द "गर्भ" से निकला है। पारंपरिक रूप में नर्तक एक घेरे में गर्भ दीपकृछेदों वाले मिट्टी के घड़े में जलते दीये कृया देवी की मूर्ति के चारों ओर नृत्य अभ्यर्थना करते हैं। दीपक जीवन–शक्ति, शरीर के भीतर दिव्य उपस्थिति और देवी की सृजन–शक्ति का प्रतीक है। वृत्ताकार गति हिंदू चिंतन में काल के चक्रकृसृष्टि, स्थिति और प्रलयकृको दर्शाती है।गरबा शरद नवरात्रि में होता है, अर्थात् दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित नौ रातों में। यह पर्व महिषासुर पर दुर्गा की विजय का स्मरण है,

जैसा देवी माहात्म्य (मार्कंडेय पुराण) में वर्णित है। भक्त माँ की स्तुति के गीत (गर्बी) गाते हैं, ताली देते हैं और नृत्य को पूजा तथा कृतज्ञता का माध्यम बनाते हैं।

भारतीय और पाकिस्तानी नौसैनिक जहाजों के बीच हुई घटना से चिंता

भारतीय नौसेना का एक युद्धपोत नियमित निगरानी मिशन पर था, तभी खबर है कि पाकिस्तान नौसेना का एक जहाज तेज गति से उसकी ओर आया। भारतीय अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तानी जहाज ने ष्गैर–पेशेवर और असुरक्षित तरीकेष से हरकत की, अपना रास्ता असुरक्षित ढंग से बदला और जहाजों के बीच भौतिक संपर्क हुआ।15 सितंबर, 2026 को उत्तरी अरब सागर में भारतीय नौसेना का एक युद्धपोत और पाकिस्तान नौसेना का एक जहाज आपस में टकरा गए। विदेश मंत्रालय (डम्।) ने बताया कि यह घटना अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुई और इससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।घटना का विवरणाारतीय नौसेना का एक युद्धपोत नियमित निगरानी मिशन पर था, तभी खबर है कि पाकिस्तान नौसेना का एक जहाज तेज गति से उसकी ओर आया। भारतीय अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तानी जहाज ने ष्गैर–पेशेवर और असुरक्षित तरीकेष से हरकत की, अपना रास्ता असुरक्षित ढंग से बदला और जहाजों के बीच भौतिक संपर्क (टक्कर) हुआ।भारत सरकार ने कहा कि पाकिस्तानी नौसैनिक इकाई का व्यवहार अप्रैल 1991 में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य अभ्यास, युद्धाभ्यास और सैनिकों की आवाजाही की पूर्व सूचना देने के समझौते के अनुच्छेद 10 का सीध
ा उल्लंघन था। नियमों के अनुसार, ष्अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में काम करते समय किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए दूसरे देश के नौसैनिक जहाज और पनडुब्बियां एक–दूसरे से तीन नॉटिकल मील (लगभग 5 किलोमीटर) से अधिक करीब नहीं आएंगी।भारत ने उत्तरी अरब सागर में 15 सितंबर, 2026 को हुई टक्कर के संबंध में अपनी औपचारिक आपत्ति में विशेष रूप से इस नियम का हवाला दिया। भारत और पाकिस्तान ने 6 अप्रैल, 1991 को नई दिल्ली में सैन्य अभ्यास, युद्धाभ्यास और सैनिकों की आवाजाही की पूर्व सूचना देने के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में दोनों देशों का प्रतिनिधित्व तत्कालीन विदेश

सचिवों मुचकुंद दुबे (भारत) और शहरयार एम. खान (पाकिस्तान) ने किया था। अनुसमर्थन दस्तावेजों के आदान–प्रदान के बाद यह समझौता 19 अगस्त, 1992 को लागू हुआ और यह दोनों देशों के बीच सैन्य विश्वास–निर्माण उपायों के व्यापक ढांचे का हिस्सा है। इस समझौते का उद्देश्य सैन्य इरादों की गलत व्याख्या से पैदा होने वाले संकटों को रोकना है। दोनों देशों ने विश्वास–निर्माण उपाय के रूप में अभ्यास, युद्धाभ्यास और सैनिकों की आवाजाही की पूर्व सूचना देने की आवश्यकता को स्वीकार किया। मुख्य नियमों के तहत दोनों देशों की थल, नौ और वायु सेनाओं के लिए एक–दूसरे के बहुत करीब बड़े सैन्य युद्धाभ्यास और अभ्यास करने से बचना जरूरी है। यदि निर्धारित दूरी के भीतर अभ्यास किए जाते हैं, तो मुख्य बल की रणनीतिक दिशा दूसरी तरफ नहीं होनी चाहिए और पास में कोई लॉजिस्टिकल तैयारी (जैसे रसद या सैन्य साजो–सामान का जमावड़ा) करने की अनुमति नहीं है। नौसेना के लिए, एक बड़े अभ्यास का मतलब है डिस्ट्रॉयर या फ्रिगेट के आकार या उससे बड़े छह या उससे ज़्यादा जहाजों का एक साथ काम करना और दूसरे देश के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन (म्म्) में प्रवेश करना।

ाजनयिक प्रतिक्रियाइस घटना के बाद, विदेश मंत्रालय (डम्।) ने तुरंत राजनयिक कदम उठाएं) नई दिल्ली में पाकिस्तानी चार्ज डीश्अफेयर्स (राजनयिक प्रतिनिध
ि) को बुलाकर ष्अस्वीकार्य और गैर–पेशेवरष व्यवहार के बारे में औपचारिक विरोध दर्ज कराया गया।(इ) पाकिस्तानी अधिकारियों को सलाह दी गई कि वे सुनिश्चित करें कि उनकी सैन्य इकाइयाँ उचित सावधानी बरतें और भविष्य की घटनाओं को रोकने के लिए संबंधित द्विपक्षीय समझौतों का पालन करें।(ब) इस्लामाबाद में भारतीय चार्ज डीश्अफेयर्स को निर्देश दिया गया कि वे पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष इसी तरह का औपचारिक विरोध दर्ज कराएं।निष्कर्षउत्तरी अरब सागर के अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में नियमित निगरानी कर रहे भारतीय नौसेना के जहाज के साथ पाकिस्तानी नौसेना के जहाज की टक्कर से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन भारत ने कहा कि पाकिस्तानी जहाज का तेज गति से पास आना सैन्य युद्धाभ्यास पर 1991 के भारत–पाकिस्तान समझौते के अनुच्छेद 10 का उल्लंघन था, जो सुरक्षित परिचालन दूरी बनाए रखने का आदेश देता है। विदेश मंत्रालय ने ष्अस्वीकार्य और गैर–पेशेवर व्यवहारष का विरोध किया और

आज का राशिफल

e"k jkf'k

vkt dk fnu vkid fy, cgrj jgxkA vkt vki fctul e vPNk ykHk dek;xs]Hkkfrd lq[k lqfo/kkvks dh c<+ksrjh gksxhA bl jkf'k ds Nk=ks dk fnu [kq'kuek jgxk]

o"k jkf'k

vkt dk fnu vkid fy, vPNk jgxkA vkt vki ikVujf'ki e fdlh dke dh 'kq#vkr djxs

feFkqu jkf'k

vkt dk fnu vkid fy, Bhd&Bkd jgxkA vkt jktxkj dh ryk'k [kRe gksxh]vkidks fdlh vPNh diuh ls v,Qj feyu dh lHkkouk gSA

dd jkf'k

vkt dk fnu vkid fy, ykHknk;d jgxkA vkt vki dkjkckj e iSls d yu&nu e tYnckth u fn[kk,A

flg jkf'k

vkt dk fnu vkid vudy cuk jgxkA vkt vki lkekftd dk;kZ e 0;Lr jgxs]fdlh ofj"B 0;fä ls vkidh eykdkr gksxhA

dU;k jkf'k

vkt dk fnu vkid fy, 'kkunkj jgu okyk gSA vkt d fnu dh 'kq#vkr vki fdlh vPNh vknr ds lkFk djxs]ftlls vkidk LokLF; Bhd jgsA

rqyk jkf'k

vkt dk fnu vkid fy, mÙke jgu okyk gSA vkt vkidk 0;kikj e cMk /ku ykHk gksxk]ftlls vkidh vkfFkZd fLFkfr etcwr cuh jgh jgxhA

of'pd jkf'k

vkt dk fnu vkid fy, Qk;ns cy jgxkA vkt vki egur vkj yxu ls fdlh dke dk dju e lQy jgxs]ijVsl Hkh xoZ egll djxsA

/ku jkf'k

vkt dk fnu vkid fy, Bhd&Bkd jgxkA vkt vkidk VkLQj ls tqMh lpuk çkIr gks ldrh gS]

edj jkf'k

vkt dk fnu vkid fy, feyk&tqyk jgu okyk gSA vkt vkidk dkQh le; ls #dk gvk dke iqjk gksu ls vkidk [kq'kh feyxhA vkt vki fctul e ifjorZu dk ykdj fopkj&foe'kZ dj ldrs gSA

dqHk jkf'k

vkt dk fnu vkid fy, vPNk jgxkA vkt vkidk dk;LFky ij FkkMh T;knk egur djuh iMxh]yfdu fdlh lgdehZ ls enn Hkh fey ldrh gSA

ehu jkf'k

vkt dk fnu vkid fy, vPNk jgu okyk gSA vkt vkidk /;ku u;h phtks ds çfr vkdf"kZr gksxk]vkid eu e dN cMk dju dh çj.kk gksxhA

dkQh yEcs le; ckn vkidk ?kj tkdj cPpks ls feyu dk ekdk feyxkA vkt vkidk ekdsV e #dk

मुख्यमंत्री घोषणाओं से संबंधित परियोजनाओं को प्राथमिकता से पूर्ण कराने का डीएम ने दिया निर्देश

आजमगढ़, (आर एन एस)जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर माह जुलाई–2026 के राजस्व एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्वांचल विकास निधि, त्वरित आर्थिक विकास योजना तथा 50 लाख रुपये एवं उससे अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए।सीएम डैशबोर्ड पर समीक्षा के दौरान विकास विभाग के कार्यक्रमों से संबंधित विभागवार परियोजनाओं में माह अगस्त 2026 में बी, सी व डी ग्रेड प्राप्त करने वाले विभागों का विगत तीन माह का तुलनात्मक विवरण पर जिलाधिकारी ने आवश्यक दिशा निर्देश दिया। डी श्रेणी में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आने पर जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को फटकार लगाते हुए प्रभावी क्रियान्वयन करने का निर्देश दिया। बी श्रेणी में प्रोजेक्ट अलंकार, पोषण अभियान, फमिली आईडी, जननी सुरक्षा योजना, नई सड़कों का निर्माण, सी श्रेणी में व्यक्तिगत शौचालय जीयो टैगिंग में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए अगले में अपेक्षित सुधार पर बल दिया।अनारम्भ परियोजनाओं में जिलाधिकारी ने डायट प्राचार्य को सख्त निर्देशित किया कि अविलम्ब शासन स्तर से पत्राचार कर डायट आजमगढ़ को सेन्टर फार एक्सीलेंसी के रूप में विकसित करने हेतु भूमि उपलब्धता व चिन्हांकन को सुनिश्चित करायें।50 लाख से ऊपर की लम्बित परियोजनाओं में 20वीं वाहिनी पीएसी में अधूरे पड़े कांफ्रेंस हाल, एमटी कार्यालय, कैंटिन, मनोरंजन हाल का निर्माण कार्य, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खरिहानी को समय सीमा में गुणवत्तायुक्त ढ़ंग से पूर्ण करने हेतु जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया।50 लाख से ऊपर की विलम्बित परियोजनाओं में 05 स्वास्थ्य उपकेन्द्र, सम्भुपुर, बस्तीभुजवल, चांदनी चौक, शाहपुर एवं खजुरी, राजकीय मेडिकल कालेज में 50 शैय्या क्रिटिकल केयर हास्पिटल ब्लाक का निर्माण, नगर पालिका परिषद आजमगढ़ के हरबंशपुर वार्ड में पेयजल योजना आदि के निर्माण कार्य में प्रगति लाते हुए समय सीमा में पूर्ण करने का जिलाधिकारी ने निर्देश दिया।जीरो पॉवर्टी अभियान की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कोई भी पात्र व्यक्ति जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र लाभार्थियों का चिन्हांकन कर योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाए। विद्युत संयोजन की समीक्षा में उन्होंने पात्र लाभार्थियों का सत्यापन कर शीघ्र विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।पूर्वांचल विकास निधि एवं त्वरित आर्थिक विकास योजना की समीक्षा में जिलाधिकारी ने स्वीकृत परियोजनाओं की प्रगति की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब किसी भी दशा में स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा कार्यों की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं होना चाहिए।50 लाख रुपये एवं उससे अधिक लागत की लंबित पांच परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में आ रही बाधाओं को संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर तत्काल दूर किया जाए और प्रत्येक परियोजना की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए, ताकि कार्य निर्धारित समय में पूर्ण हो सकें। 50 करोड़ रुपये एवं उससे अधिक लागत वाली परियोजनाओं की समीक्षा में जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ही कराए जाएं। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि परियोजनाओं की नियमित गुणवत्ता जांच एवं स्थलीय निरीक्षण सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी ने पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं के संबंध में संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र हस्तांतरण की कार्यवाही पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण पूर्ण होने के बाद परियोजनाओं को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए, बल्कि संबंधित विभाग को हस्तांतरित कर आमजन के उपयोग में लाया जाए। मुख्यमंत्री की घोषणाओं से आच्छादित परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि ऐसी सभी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं से संबंधित कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। संबंधित अधिकारी नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, जिससे आमजन को इन परियोजनाओं का लाभ समय से मिल सके।जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए जिन योजनाओं में जिले की रैंकिंग एवं ग्रेडिंग अपेक्षित स्तर से कम है, उनमें विशेष प्रयास कर सुधार लाया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं की प्रगति केवल आंकड़ों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका वास्तविक लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि विकास कार्यों की प्रगति केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका वास्तविक लाभ धरातल पर दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने–अपने विभागीय लक्ष्यों की नियमित समीक्षा करें, कम प्रगति वाले कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराएं तथा शासन की मंशा के अनुरूप जनपद की विकास योजनाओं को गति प्रदान करें।

मुहम्मदपुर एवं तहबरपुर के निकट हुई दो अलग-अलग बस दुर्घटनाओं की मजिस्ट्रियल जाँच हेतु नोडल अधिकारी नामित

आजमगढ़ (आर एन एस)दिनांक 19 फरवरी 2009 को वाराणसी–आजमगढ़ मार्ग पर संचालित वाहन संख्या यू०पी०–50एफ६ 2353 से आजमगढ़ मुहम्मदपुर के निकट लगभग 12रू30 बजे एक साईकिल सवार के अचानक बस से टकरा जाने के कारण साईकिल सवार की मृत्यु हो जाने के कारण घटना की जाँच जिला मजिस्ट्रेट आजमगढ़ द्वारा उप जिला मजिस्ट्रेट, निजामाबाद, आजमगढ़ को जाँच अधिकारी के रूप में नामित किया गया है, जिसके अनुपालन में ज्वाइंट मजिस्ट्रेटध्उप जिलाधिकारी निजामाबाद अयान जैन द्वारा प्रकरण की जाँच की जा रही है।इसी प्रकार 21 मई 2024 को थाना तहबरपुर, आजमगढ़ के निकट लगभग 03रू00 बजे निगम बस, आजमगढ़ क्षेत्र, आजमगढ़ डिपो वाहन संख्या–यू०पी०–78 एस०टी० 4330 से टक्कर होने के कारण बृजेश सिंह (होमगार्ड जवान) पुत्र स्व० शिवसहाय सिंह निवासी ग्रांम ऐराकला थाना तरवां, जनपद आजमगढ़ की मृत्यु हो जाने के कारण घटना की जाँच जिला मजिस्ट्रेट, आजमगढ़ द्वारा उप जिला मजिस्ट्रेट, निजामाबाद को मजिस्ट्रीयल जाँच अधिकारी नामित किया गया है।

एकटक निहारती रहीं निगाहें... बुलडोजर की कार्रवाई देख खामोश खड़ा रहा शिवम

मेरठ के सेंट्रल मार्केट में छह भवनों पर प्रशासन का बुलडोजर चला। कार्रवाई के दौरान पोर्कलेन मशीन से बिल्डिंग का हिस्सा तोड़े जाने को शिवम एकटक निहारता रहा। कार्रवाई के बीच उसकी खामोशी और चेहरे के भाव मौके की तस्वीर बयां करते नजर आए।

सेंट्रल मार्केट में छह भवनों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सुबह करीब सात बजे शुरू हुई, जो दोपहर करीब 1रू45 बजे तक चली। इस दौरान छहों भवनों पर अलग–अलग बुलडोजर से कार्रवाई की गई। आवास विकास परिषद 21 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई के दौरान छह भवनों के ध्वस्तीकरण की रिपोर्ट सौंपेगा। आवास विकास परिषद के उप आवास आयुक्त अनिल कुमार सिंह के अनुसार, ये छह भवन पूरी तरह अवैध बने हुए थे और इनका नक्शा पास नहीं था, इसलिए इन पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। ध्वस्तीकरण से व्यापारियों में रोष, कार्रवाई देख महिलाओं के छलके आंसू सेंट्रल मार्केट में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर व्यापारियों में रोष है। पुलिस की सख्त बैरिकेडिंग के बीच कुछ व्यापारी कार्रवाई स्थल तक पहुंचे। व्यापारियों का कहना है कि उन्हें कार्रवाई को लेकर आश्वासन दिया गया था, इसके बावजूद भवनों पर बुलडोजर चला दिया गया। कुछ व्यापारियों ने सरकार के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा कि इस कार्रवाई का खामियाजा सरकार को 2027 के चुनाव में भुगतना पड़ेगा। आसपास पहुंचीं महिलाएं यह कार्रवाई देखकर उनके आंसू छलक आए।सेंट्रल मार्केट प्रकरण में सपा नेता शैंकी वर्मा को पुलिस द्वारा ध्वस्तीकरण की कारवाई के दौरान हाउस अरेस्ट कर लिया है। ध्वस्तीकरण की कारवाई जारी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के चलते कोई भी व्यापारी या अन्य व्यक्ति कोई कारवाई का विरोध नहीं कर रहा है। 14 लाख के चंदे पर भी विवाद इस पूरे आंदोलन के बीच एक और विवाद सामने आया है।

गणेश प्रतिमा स्थापित कर लौट रहे युवकों की कार दुर्घटनाग्रस्त, 3 की मौत, 6 घायल

आजमगढ़ (आर एन एस)फूलपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर में मंगलवार सुबह तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों और घायलों के परिजनों में कोहराम मच गया।फूलपुर क्षेत्राधिकारी किरण पाल सिंह के अनुसार, पंजाब नंबर की स्विफ्ट कार में नौ लोग सवार होकर फूलपुर से सरायमीर की ओर जा रहे थे। बताया गया कि सभी ने गणेश प्रतिमा स्थापित की थी और राजभर पंडाल में शामिल थे। मंगलवार सुबह करीब पांच बजे जगदीशपुर के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई और पलट गई।हादसे में सत्यम मोदनवाल (20), पुत्र रामवेश और निखिल गुप्ता (17), पुत्र रामफेर गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं लकी सोनकर (19), पुत्र अनिल सोनकर ने फूलपुर अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।घायलों में अंश सोनकर (17), पुत्र लालचंद सोनकर, अनमोल मोदनवाल (18), पुत्र नीरज मोदनवाल, किशन मोदनवाल (20), पुत्र पंकज मोदनवाल, सक्षम बरनवाल (17), पुत्र त्रिभुवन बरनवाल, अनुराग पांडेय, पुत्र सुनील पांडेय और शगुन उर्फ कौस्तुभ पांडेय, पुत्र कमलदेव पांडेय शामिल हैं।सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी किरण पाल सिंह और फूलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था कायम है,

लापरवाही पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. अनिल कुमार का सख्त एक्शन

आजमगढ़,(आर एन एस)पुलिस विभाग में अनुशासन और जवाबदेही को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही, उदासीनता, अनुशासनहीनता तथा विवेचनाओं के समयबद्ध निस्तारण में लापरवाही के आरोप में थाना अहरौला और थाना अतरौलिया के थानाध्यक्षों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।एसएसपी डॉ. अनिल कुमार की इस कार्रवाई को पुलिस महकमे में कर्तव्य के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में कड़ा और स्पष्ट संदेश माना जा रहा है। उन्होंने यह साफ कर दिया है कि पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली में लापरवाही, उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी अथवा विवेचनाओं को अनावश्यक रूप से लंबित रखना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।निलंबित किए गए अधिकारियों में उपनिरीक्षक मंतोष सिंह, थानाध्यक्ष अहरौला तथा उपनिरीक्षक देवेन्द्र नाथ दुबे, थानाध्यक्ष अतरौलिया शामिल हैं।पुलिस के अनुसार, दोनों अधिकारियों पर अपने पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता बरतने, विवेचनाओं को लंबित रखने, निर्धारित समय में उनका निस्तारण न करने तथा उच्चाधिकारियों के आदेश एवं निर्देशों का अपेक्षित अनुपालन न करने के आरोप पाए गए हैं। दोनों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही भी प्रचलित है।एसएसपी डॉ. अनिल कुमार की त्वरित कार्रवाई से यह संदेश गया है कि पुलिस विभाग में जिम्मेदारी के पद पर बैठे अधिकारियों को अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह गंभीर रहना होगा। आमजन से जुड़े मामलों में समयबद्ध कार्रवाई और विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर उनका सख्त रुख पुलिस व्यवस्था में जवाबदेही को मजबूत करने वाला कदम माना जा रहा है।एसएसपी ने जनपद के समस्त पुलिसकर्मियों को पदीय दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा उच्चाधिकारियों के आदेश–निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए सचेत किया है। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि भविष्य में लापरवाही अथवा अनुशासनहीनता सामने आने पर संबंधित पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।एसएसपी डॉ. अनिल कुमार की इस कार्रवाई ने पुलिस महकमे में अनुशासन, जवाबदेही और कर्तव्यनिष्ठा को लेकर एक मजबूत संदेश दिया है।

मेरठ में 44 भवनों पर गरज रहा बुलडोजररू छह भवन किए ध्वस्त, कार्रवाई के चलते सेंट्रल मार्केट सीलय पुलिस तैनात

मेरठ। मेरठ के शास्त्री नगर के सेंट्रल मार्केट में 44 सील भवनों को तोड़ने की कार्रवाई चल रही है। टीम ने छह भवनों को ध्वस्त कर दिया है। काफी संख्या में दुकानदार अपनी दुकानों

से सामान निकाल रहे हैं।सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर परिषद ने आवासीय भवन में बने व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, स्कूल, अस्पताल, मिठाई की दुकान, ज्वैलरी के शोरूम, डेयरी, सैलून आदि को सील कर दिया था। पूरी तरह व्यावसायिक परिसर के खिलाफ बुधवार को आवास एवं विकास परिषद में कार्रवाई शुरू कर दी है। सुबह से ही सेंट्रल मार्केट आने वाले सभी मार्गों पर बेरीकेडिंग कर पुलिसबल तैनात कर दिया गया है।बता दें कि 14 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने 44 व्यावसायिक परिसर के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने का आदेश दिया था।इन पर कार्रवाई प्रस्तावितशास्त्री नगर 697ध्2, 492ध्3, 498ध्3, 1313ध्3,1314ध्3, 12ध्2, 670ध्6 में कार्रवाई प्रस्तावित है। यह सभी निर्माण आरटीओ रोड पुलिस चौकी चौराहे से लेकर नई सड़क के बीच में है। आवास विकास परिषद की ओर से सील किए गए 44 भूखंडों में से 16 परिसरों में ही सेटबैक छोड़ने की कार्रवाई पूरी हुई है। 28 भूखंड स्वामियों ने अभी तक अपने प्रतिष्ठानों से अवैध निर्माण नहीं हटाया है।14 जुलाई को सर्वोच्च न्यायालय ने इन सभी 44 संपत्तियों को ध्वस्त करने के आदेश दिए। इसी के तहत परिषद की ओर से इन संपत्तियों का सर्वे किया गया था। संपत्ति स्वामियों को नोटिस जारी कर 15 दिन में इनके ध्वस्तीकरण के निर्देश दिए गए हैं। ये मियाद बहुत पहले ही पूरी हो चुकी है। ऐसे में बुधवार को सुबह से ही फोर्स तैनात कर बुलडोजर लगाए गए हैं और सील भवनों को तोड़ा जाएगा। सुबह नौ बजे टीम ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की और छह भवनों को ध्वस्त कर दिया है।स्कूल जाते बच्चों को भी पुलिस ने रोका

पूरी सेंट्रल मार्केट और शास्त्री नगर को बैरिकेड लगाकर सील करने की वजह से बच्चे स्कूल भी नहीं जा पाए। अधिकारियों का हवाला देकर के लगातार मीडिया कर्मियों को रोका जा रहा है। अंदर जाने की इजाजत नहीं दी गई ना ही कैमरा चलाने की इजाजत दी गई। बता दें कि 21 सितंबर को सेंट्रल मार्केट के मुद्दे पर सुनवाई होनी है, जिसमें 44 सील भवनों पर ध्वस्तीकरण कार्रवाई की रिपोर्ट दाखिल करनी है। बुधवार को इन्हीं 44 भवनों में से 6 भवनों को ध्वस्त किया गया। जी प्लस–3 बिल्डिंग के एक हिस्से को तोड़ने के लिए जेसीबी छोटी पड़ गई। इसके बाद पोर्कलेन मशीन बुलाई गई। मशक्कत के बाद मशीन के पंजे से बिल्डिंग का हिस्सा तोड़ा गया। कार्रवाई को लेकर व्यापारियों में रोष भी देखने को मिला।

रात में ही पहुंचा बुलडोजरसेंट्रल मार्केट में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के लिए जेसीबी और बुलडोजर रात में ही पहुंचा दिए गए थे। पुलिस प्रशासन ने भी रात में ही ड्यूटी लगा दी थी। आवास विकास परिषद के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे।

सीडीओ की अध्यक्षता में पशुपालन विभाग की जिला स्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

आजमगढ़, (आर एन एस)मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार पटेल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पशुपालन विभाग की जिला स्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के विभिन्न गोआश्रय स्थलों में संरक्षित निराश्रित गोवंशों के संरक्षण, भरण–पोषण, चिकित्सा एवं मूलभूत व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। सीडीओ ने गोवंशों के समुचित रख–रखाव को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में बताते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।सीडीओ ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर के दौरान जनपद के सभी गो आश्रय स्थलों का व्यापक स्तर पर साफ–सफाई कराते हुए गौ सेवा पर बल दिया जायेगा। साथ ही अभियान के दौरान पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं में पात्र अधिकाधिक लाभार्थियों को आच्छादित कराने का निर्देश दिया।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास खंडों में चिन्हित चारागाह भूमि पर गोआश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों के लिए शत–प्रतिशत हरे चारे की बुआई तत्काल कराई जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि वर्तमान वर्षा ऋतु को देखते हुए किसी भी गोआश्रय स्थल में जलभराव की स्थिति नहीं होनी चाहिए। सभी संबंधित अधिकारी नियमित निरीक्षण कर जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि गोवंशों को किसी प्रकार की असुविधा या बीमारी का सामना न करना पड़े।सीडीओ ने निर्देश दिया कि सभी गोआश्रय स्थलों पर गोवंशों के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा, हरा चारा, स्वच्छ पेयजल एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता हर समय सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गोवंशों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी की जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।बैठक में मुख्यमंत्री सहभागिता योजना की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त कर रहे सहभागियों का सत्यापन कराया जाए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि लाभार्थियों द्वारा गोवंशों का समुचित संरक्षण एवं भरण–पोषण किया जा रहा है। यदि किसी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए।मुख्य विकास अधिकारी ने गोवंश संरक्षण से संबंधित अन्य बिंदुओं की भी समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि गोआश्रय स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि निराश्रित गोवंशों के संरक्षण एवं देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ करें।बैठक में जिला विकास अधिकारी संजय कुमार सिंह, डीसी एनआरएलएम डॉ. अराधना त्रिपाठी, परियोजना निदेशक सच्चिदानंद, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. मुकेश गुप्ता, समस्त खंड विकास अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का 16 सितम्बर को जनपद आजमगढ़ भ्रमण कार्यक्रम

आजमगढ़,(आर एन एस)प्राप्त प्रोटोकॉल के अनुसार उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश, केशव प्रसाद मौर्य का दिनांक 16 सितम्बर 2026 को जनपद आजमगढ़ भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मा० उपमुख्यमंत्री जी पूर्वाह्न 10रू55 बजे हेलीपैड, लामार्टीनियर ग्राउण्ड, लखनऊ से प्रस्थान करेंगे तथा पूर्वाह्न 11रू55 बजे हेलीपैड, निकट ग्राम गम्भीरपुर, तहसील निजामाबाद, जनपद आजमगढ़ पहुंचेंगे।इसके पश्चात उपमुख्यमंत्री 12रू05 बजे ग्राम एवं पोस्ट गम्भीरपुर, तहसील निजामाबाद स्थित अवधेश कुमार मौर्य के आवास पर पहुंचेंगे। यहां से वे जनपद में संचालित विकासशील एवं निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करेंगे तथा संबंधित अधिकारियों से परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त करेंगे।तत्पश्चात उपमुख्यमंत्री 12रू40 बजे ग्राम गम्भीरपुर से प्रस्थान कर 13रू00 बजे ग्राम जिवली, थाना बरदह, जनपद आजमगढ़ स्थित क्षेत्रीय अध्यक्ष, गोरखपुर विनोद राय के आवास पर पहुंचेंगे। इसके बाद उपमुख्यमंत्री 13रू25 बजे वहां से प्रस्थान कर 13रू30 बजे ग्राम जिवली, थाना बरदह में वीरेन्द्र सरोज के घर के सामने बने हेलीपेड पर पहुंचेंगे। इसके पश्चात् उपमुख्यमंत्री 13रू35 बजे जनपद आजमगढ़ से रायबरेली के लिए प्रस्थान करेंगे।

मेरठ कलेज में पुलिस के सामने छात्रों में जमकर लात-घूसे चले फ्रेशर छात्र की पिटाई पर बवाल

मेरठ। मेरठ कॉलेज में बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे जमकर बवाल हो गया। छात्र पुलिसवालों के सामने ही एक–दूसरे को पीटने लगे। सिपाहियों के बीच–बचाव के बावजूद छात्र नहीं रुके। बेल्ट से जमकर पिटाई करते रहे। कॉलेज में छात्रों का बवाल देख छात्राएं सहम गईं। कई तो कॉलेज परिसर ही छोड़कर बाहर भागने लगीं। पुलिस की सूचना पर और फोर्स बुलाई गई, जिसके बाद छात्रों के दोनों गुट पर काबू पाया गया। दरअसल, ये पूरा बवाल फ्रेशर छात्र की पिटाई से शुरू हुआ था।पुलिस को मिली जानकारी के मुताबिक, बीए फर्स्ट इयर का एक छात्र बुधवार को पहली बार मेरठ कॉलेज आया था। वह कॉलेज में बैठा था। छात्र नेता अभिनव मल्लापुर गुट के कुछ युवक उसके पास पहुंचे। उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद दूसरे गुट विजित तालियान के छात्र भी मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। छात्रों ने एक–दूसरे को गिरा–गिराकर लात–घूसों और बेल्टों से पीटा। कॉलेज में लंबे समय से छात्र नेताओं के गुटों के बीच वर्चस्व को लेकर झगड़ा चल रहा है।छात्रों का बवाल बढ़ने की सूचना पर पहले लालकुर्ती थाना पुलिस कॉलेज पहुंची। इसके बाद भी स्थिति पूरी तरह शांत नहीं हुई। तब एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले भी मौके पर पहुंचे। एसपी सिटी ने कॉलेज में लगे ब्ब्ज्ट कैमरों की जांच कराई। एसपी ने कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. युद्धवीर सिंह और चीफ प्रॉक्टर से भी घटना की जानकारी लेने की कोशिश की। लेकिन दोनों के अवकाश पर होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस कॉलेज के अन्य जिम्मेदार अधिकारियों से जानकारी जुटाती रही।पुलिस ने छात्र नेता अभिनव मल्लापुर और विजित तालियान समेत 6 लोगों को हिरासत में लिया है। सभी को लालकुर्ती थाने ले जाया गया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। बवाल कर रहे आरोपियों में बाहरी लड़कों के होने की भी आशंका है।

हाई कोर्ट बेंच को लेकर वेस्ट यूपी में अधिवक्ताओं ने नहीं किया काम

मेरठ। पश्चिम उत्तर प्रदेश के 22 जनपदों में बुधवार को अधिवक्ता काम से विरत रहे। उनके कोर्ट नहीं जाने से जमानत और अन्य कार्य प्रभावित हुए। मेरठ बार एसोसिएशन और जिला बार एसोसिएशन ने इस बीच संयुक्त रूप से आम सभा की और हाई कोर्ट द्वारा हड़ताल को लेकर बार पदाधिकारी को जारी किए गए नोटिसों का कोई जवाब न देने का निर्णय लिया गया। आम सभा में घोषणा की गई कि हाई कोर्ट बेंच के आंदोलन को इतनी गंभीरता के साथ चलाया जाएगा कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले ही सरकार को बेंच की घोषणा करने के लिए मजबूर होना पड़े।कानपुर में हाल ही में आयोजित दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय अधिवक्ता महासम्मेलन मैं हाई कोर्ट द्वारा बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों को हड़ताल के विरुद्ध जारी किए गए नोटिस के विरोध में तथा अधिवक्ता सुरक्षा कानून को प्रदेश में लागू करने की मांग को लेकर प्रत्येक बुधवार को पूरे प्रदेश में काम न करने और आंदोलन करने का प्रस्ताव पास किया गया था। इसी सम्मेलन में पश्चिम में हाई कोर्ट बेंच की स्थापना का प्रस्ताव भी पास हुआ था।महासम्मेलन में हुए इस निर्णय का समर्थन करते हुए पश्चिम उत्तर प्रदेश हाई कोर्ट बेंच स्थापना केंद्रीय संघर्ष समिति ने भी शनिवार के साथ–साथ प्रत्येक बुधवार को भी कार्य न करने का निर्णय सभी 22 जनपदों के बार पदाधिकारी की जूम मीटिंग में लिया था। इसी के तहत आज बुधवार को मेरठ के साथ–साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सभी 22 जनपदों में अधिवक्ताओं ने काम नहीं किया।मेरठ में कचहरी परिसर मैं अधिवक्ताओं के चेंबर बंद पड़े रहे। सुनवाई के लिए भी अधिवक्ता न्यायालय में नहीं पहुंचे। जिसके कारण न्यायालय का कामकाज प्रभावित रहा। बार प्रस्ताव का पालन न करने वाले अधिवक्ताओं को न्यायालय तक जाने से रोकने के लिए अधिवक्ताओं की चार टीमों को तैनात किया गया था। कचहरी परिसर में सभी दुकानें भी आज बंद रही। सुनवाई के लिए आए लोग भी काम न होने के कारण परेशान रहे।

आम सभा में मेरठ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुज शर्मा, महामंत्री परवेज आलम, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह, महामंत्री प्रशांत गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष संजय शर्मा, मांगेराम शर्मा, गजेंद्र सिंह धामा, नरेंद्र शर्मा, नेपाल सिंह, सोम सतीश चंद्र गुप्ता, राजेंद्र सिंह राणा, देवकीनंदन शर्मा व अमित राणा समेत बड़ी संख्या में पूर्व अध्यक्ष पूर्व महामंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपने

आवेदन हेतु पोर्टल उझीनउप. नचचतक.पद पर आनलाइन सुविधा उपलब्ध

आजमगढ़, (आर एन एस)निदेशक पंचायती राज, उत्तर प्रदेश द्वारा उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं व्यापक प्रचार–प्रसार के संबंध में दिशा–निर्देश निर्गत किए गए हैं। योजना का उद्देश्य देश–विदेश में निवास करने वाले प्रवासी नागरिकों, व्यक्तियों एवं संस्थाओं को अपने गांव तथा मातृभूमि के विकास से जोड़ते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में जनोपयोगी अवस्थापना एवं विकास कार्यों को गति प्रदान करना है।योजनान्तर्गत देश अथवा विदेश में निवास करने वाला कोई भी व्यक्तिध्संस्था जनपद के किसी भी गांव में अपनी इच्छानुसार विकास कार्य कराने के लिए सहयोग प्रदान कर सकता है। इसके लिए दानकर्ता द्वारा परियोजना की कुल लागत का 60 प्रतिशत अंशदान दिया जाएगा, जबकि शेष 40 प्रतिशत धनराशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जाएगी। इस प्रकार योजना के माध्यम से गांवों में आवश्यक एवं जनोपयोगी विकास कार्यों को स्थानीय सहभागिता और सरकारी सहयोग के समन्वय से पूरा कराया जा सकेगा।मातृभूमि योजना के अंतर्गत दानकर्ता अपने प्रस्ताव के अनुसार विभिन्न प्रकार के जनोपयोगी कार्य करा सकते हैं। इससे गांवों में आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ–साथ ग्रामीण जनजीवन को बेहतर बनाने में भी सहायता मिलेगी

आनलाइन आवेदन की सुविधा

योजना का लाभ लेने एवं विकास कार्यों के लिए सहयोग प्रदान करने के इच्छुक दानकर्ताओं के आवेदन हेतु विभाग द्वारा ीजजचेरूध्ध्उझीनउप.नचचतक.पद पोर्टल विकसित किया गया है। इच्छुक व्यक्ति अथवा संस्था पोर्टल के माध्यम से योजना से संबंधित जानकारी प्राप्त कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

अखिल भारतीय कहार समाज की विशाल महापंचायत एवं बाइक रैली संपन्न

चित्रकूट। अखिल भारतीय कहार महासभा के तत्वाधान में कहार समाज की विशाल महापंचायत एवं बाइक रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की एकजुटता, शिक्षा, राजनीतिक भागीदारी और विकास को लेकर महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। समाज के लोगों ने अपनी विभिन्न मांगों को प्रमुखता से उठाते हुए सरकार से उनके समाधान की अपील की।कार्यक्रम की शुरुआत बलदाऊ गंज, कर्वी से विशाल बाइक रैली निकालकर की गई। कानपुर से आए वीर बहादुर रैकवार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। बाइक रैली धनुष चौराहा, बेड़ी पुलिया और रामघाट होते हुए चित्रकूट स्थित कहार समाज ध र्मशाला पहुंची, जहां रैली महापंचायत में परिवर्तित हो गई। रैली का मुख्य उद्देश्य कहार समाज को जागरूक करना और उसे समाज की मुख्यधारा से जोड़ना बताया गया। साथ ही, सरकार और राजनीति में कहार समाज की भागीदारी सुनिश्चित कराने पर जोर दिया गया।

महापंचायत में मुख्य वक्ता अखिल भारतीय गोंड महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनाथ गोंड ने समाज के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गोंड समाज के अंतर्गत कहार समाज की सभी उपजातियों को शामिल किया गया है। उन्होंने सरकार से मांग की कि कहार समाज की सभी उपजातियों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का आरक्षण दिया जाए, ताकि समाज को उसका अधिकार मिल सके। दिल्ली से आए अखिल भारतीय कश्यप महासंघ के राष्ट्रीय अध् यक्ष कश्यप रामसिंह भाटी ने समाज के लोगों से राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों को राजनीति में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि समाज के किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की समस्या हो तो वह दिल्ली आकर संपर्क कर सकता है। हरसंभव सहयोग का प्रयास किया जाएगा। जल शक्ति मंत्रालय से आए प्रथम श्रेणी अधि कारी अनिल कुमार ने समाज के लोगों से अपने बच्चों को शिक्षित बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज की तरक्की का आधार है। यदि किसी प्रतिभाशाली बच्चे को आर्थिक परेशानी है तो इसकी जानकारी दी जाए। ऐसे बच्चों की पढ़ाई में सहयोग किया जाएगा।

अखिल भारतीय कहार महासभा के मंडल अध्यक्ष कश्यप मुन्ना लाल अकेला ने कहार समाज धर्मशाला के समुचित विकास के लिए कई प्रस्ताव रखे। उन्होंने ध र्मशाला में बड़ा मीटिंग हॉल, पार्किंग स्थल, गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए आवासीय विद्यालय और छात्रावास बनाने की मांग की।उन्होंने कहा कि अमावस्या के दौरान धर्मशाला के कमरे केवल दो दिन उपयोग में आते हैं, जबकि बाकी 28 दिन कमरे खाली रहते हैं। ऐसे में इन कमरों का बेहतर उपयोग करते हुए गरीब और जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए व्यवस्था की जा सकती है। इससे समाज के लोगों को भी लाभ मिलेगा और धर्मशाला का उद्देश्यपूर्ण विकास हो सकेगा। बाइक रैली का संचालन कश्यप आरएम बाथम ने किया, जबकि महापंचायत के मंच का संचालन शिवकुमार ने किया। कार्यक्रम में अमित कश्यप, मनीष बाथम, शुभम कश्यप, राजेश रैकवार, उमेश कश्यप, परांशु रैकवार, अर्जुन कश्यप, गोविंद निषाद, ओमप्रकाश रैकवार, जागेश्वर रैकवार, लवकुश रैकवार और वीर बहादुर रैकवार सहित समाज के कई लोग मौजूद रहे।

नपा बोर्ड की विशेष बैठक संपन्न, कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित

चित्रकूट। नगर पालिका परिषद चित्रकूट धाम कर्वी बोर्ड की विशेष बैठक अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें विभिन्न कार्य योजनाओं पर विचार विमर्श हुआ और महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में सबसे अहम बात यह रही की मंदाकिनी में आई बाढ़ के कारण पालिका क्षेत्र में करीब 53 करोड़ की क्षति हुई है जिसकी भरपाई के लिए नगर पालिका ने शासन को बजट आवंटन के प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चित्रकूट भ्रमण के दौरान यहां की तबाही देखी थी और सरकार को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए थे। बैठक में विकसित भारत के संबंध में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों को संपादित करने के लिए भी विस्तृत चर्चा हुई और उन सभी कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि दीपावली दशहरा गणेश उत्सव को देखते हुए विभिन्न ध ार्मिक स्थलों और जहां पर देवी पंडाल लगते हैं वहां की साफ सफाई प्रकाश व्यवस्था के लिए अभी से ठोस रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए। अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने सभी सभासदों से अपेक्षा की है की बाढ़ अथवा मूसलाधार बारिश के कारण जिन लोगों के कच्चे मकान गिर गए हैं उनकी सूचना दो दिन के अंदर पालिका कार्यालय को दे दिया जाए जिसमें घर गिरने की फोटो ,पीड़ित व्यक्ति का आधार ,मोबाइल नंबर ,पासबुक होना चाहिए ताकि पीड़ित लोगों को आर्थिक मुआवजा सरकार से दिलाया जा सके और निकट भविष्य में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना से भी लाभान्वित कराया जाएगा।इसके अलावा बोर्ड में पालिका के नए कार्यालय उद्घाटन पर भी चर्चा हुई निर्णय लिया गया कि नवरात्रि के पर्व पर नए कार्यालय का उद्घाटन होगा और पुराने कार्यालय के ध्वस्तीकरण का भी प्रस्ताव पारित किया गया इसके अलावा टाउन हॉल का जीर्णोद्धार कराए जाने, रामलीला कमेटी का गठन किए जाने का भी निर्णय हुआ ।कमेटी में गैर राजनीतिक व्यक्तियों को रखे जाने की स्वी.ति दी गई है।नगर की साफ सफाई के लिए 300 सफाई कर्मचारी रखे जाने के लिए राज्य वित आयोग में प्रतिमाह एक करोड़ की धनराशि शासन से मांग की गई है।

सीएम युवा उद्यमी योजना में चित्रकूट ने रचा इतिहास

चित्रकूट : युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान जिले के युवाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते जनपद ने बुंदेलखंड में पहला और पूरे उत्तर प्रदेश में चौथा स्थान'' हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया है। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के निरंतर प्रयासों और जिला उद्योग विभाग की सक्रियता से बड़ी संख्या में जिले के युवा अपना व्यवसाय शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

जिला उद्योग विभाग के उपायुक्त चंद्र प्रकाश पटेल ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत जनपद के लिए 1,200 आवेदनों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके सापेक्ष अब तक 1,096 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इनमें से 886 आवेदन बैंकों को भेजे जा चुके हैं। जिनमें से 394 युवाओं को ऋण वितरित किया जा चुका है। जिले में ऋण वितरण की प्रगति 32.83 प्रतिशत रही है। बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नौकरी की तलाश करने के बजाय उन्हें स्वयं का रोजगार और उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत पात्र युवाओं को नया कारोबार शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये तक का बिना गारंटी और शून्य ब्याज का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे युवा अपने हुनर और क्षमता के अनुसार व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बनने के साथ ही दूसरे लोगों को भी रोजगार देने में सक्षम होंगे। योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक युवाओं को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के लिए आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, कक्षा आठवीं या उससे अधिक की मार्कशीट, कौशल प्रशिक्षण प्रमाणपत्र तथा प्रस्तावित व्यवसाय की संक्षिप्त परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार रखना होगा। इसके बाद आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर आवेदन जमा करना होगा। आवेदन जमा करने के बाद प्राप्त रसीद को सुरक्षित रखना जरूरी है।

सरयू धारा के सीमांकन के लिए वैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रारंभ

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग के पूर्व में दिए गए निर्देशों के क्रम में रामघाट क्षेत्र में सरयू नदी के सीमांकन का कार्य कराया जा रहा है। इसके लिए राजस्व, नगर पालिका एवं संयुक्त क्षेत्र विकास प्राधिकरण की संयुक्त टीम द्वारा रोवर तकनीक के माध्यम से वैज्ञानिक एवं तकनीकी सर्वेक्षण किया जा रहा है। इस कार्य का उद्देश्य नदी क्षेत्र की वास्तविक सीमा का सटीक एवं वैज्ञानिक आधार पर निर्धारण करना तथा नदी के प्रा.तिक जल प्रवाह क्षेत्र को सुरक्षित रखना है। पूर्व में सरयू नदी के विभिन्न जलस्रोतों से निरंतर जल प्रवाह होकर मंदाकिनी नदी में मिलता था। जिससे मंदाकिनी के जल प्रवाह में भी वृद्धि होती थी। स्थानीय स्तर पर अतिक्रमण एवं जलस्रोतों के अवरुद्ध होने के कारण इन जलधाराओं का प्रा.तिक प्रवाह प्रभावित हुआ है। नदी के सीमांकन एवं जलस्रोतों के संरक्षण से प्रा.तिक जल प्रवाह को पुर्नस्थापित करने में सहायता मिलेगी तथा मंदाकिनी नदी में जलस्तर बनाए रखने में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

बाढ़ पीड़ितों को कांग्रेसियों ने बांटी खाद्य सामग्री

चित्रकूट। जनपद में भीषण बाढ़ व अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश महासचिव पुष्पेन्द्र सिंह के नेतृत्व में बीते चार सितम्बर से लगातार राहत अभियान चलाया जा रहा है। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं द्वारा घर–घर जाकर बाढ़ पीड़ितों को खाद्य सामग्री वितरित की जा रही है। मंगलवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल की अगुवाई में अतिवृष्टि से प्रभावित ग्राम पंचायत लोढवारा, संग्रामपुर पहुंचकर उनका हाल जाना और जरूरतमंद परिवारों को राहत पैकेट वितरित किए गए। राहत सामग्री पाकर पीड़ित परिवारों ने कांग्रेस नेताओं का आभार जताया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा रहना सभी की जिम्मेदारी है और कांग्रेस पार्टी द्वारा जरूरतमंदों तक हरसंभव सहायता पहुंचाई जाएगी। राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम में विजयमणि त्रिपाठी, वीरेंद्र सिंह, जगजाहिर सिंह, अगनू, नीतू देवी, गया प्रसाद सहित कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परिवार परामर्श केन्द्र में मतभेद भूल साथ रहने को राजी हुए दो दम्पति जोड़े

चित्रकूट। परिवार परामर्श केन्द्र पुलिस टीम ने पारिवारिक विवादों, मतभेदों को समाप्त कराते हुए दो परिवार को टूटने से बचाया। आपसी मतभेद, विवादों को भूल पति–पत्नी एक दूसरे के साथ खुशी से रहने को तैयार हुए।एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में सामाजिक रिश्तों को बचाने के लिए किये जा रहे प्रयासों के क्रम में पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र पुलिस टीम ने आपसी पारिवारिक झगड़े को समाप्त कराया। मानिकपुर की आरती पत्नी गोरेलाल पति के विरूद्ध एवं रैपुरा की लल्ली पुत्री रोशन ने पति विनय, सास एवं ससुर के विरूद्ध लड़ाई झगड़ा, मारपीट, गालीगलौज तथा घर से बाहर निकालने के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रार्थना पत्र दिया था। एसपी ने दोनों प्रार्थना पत्र के निस्तारण के लिए प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया था। परिवार परामर्श केन्द्र टीम में एसआई शकुन्तला देवी एवं आरक्षी अनामिका सिंह ने शिकायतों को विस्तारपूर्वक समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क कर उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया और दोनों पक्षों को समझाया। इस पर भविष्य में आपस में पारिवारिक सामजस्य बनाकर रहने तथा कर्तव्यों का सही से पालन करने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दम्पति जोड़ो को एक दूसरे के साथ आपस में सामन्जस्य एवं पारिवारिक दायित्वों को सही प्रकार से निर्वहन करने की सलाह दी गयी।

लाखों की लागत से बने स्कूल हो रहे जर्जर, न बच्चे पढ़ने आए न पढ़ाने आये टीचर

मीरजापुर। जिले के विकास खंड जमालपुर कि जहां गरीब बच्चों को नजदीक में शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2022–23 में लाखों रुपये की लागत से बनाए गए प्राथमिक विद्यालय अब देखरेख के अभाव में जर्जर होते जा रहे हैं। शासन द्वारा हिनौती ग्राम पंचायत के अलमापुर, पिड़खिर ग्राम पंचायत के भैंसा सुर, भदावल ग्राम पंचायत के गोविंदपुर, जफरपुरा ग्राम पंचायत के आजाद नगर तथा अहरौरा के पास कुल पांच प्राथमिक विद्यालयों का निर्माण कराया गया था। बताया जाता है कि प्रत्येक विद्यालय के निर्माण में करीब 8 से 10 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।लेकिन एक–दो विद्यालयों को छोड़ दें तो अलमापुर और भैंसा सुर जैसे विद्यालयों में अभी तक पठन–पाठन का कार्य शुरू ही नहीं हो सका है। विद्यालयों में बच्चों का पठन–पाठन और नियमित देखरेख नहीं होने से अराजक तत्वों द्वारा सोलर पैनल, सबमर्सिबल पंप, पानी की टंकी, नल की पाइप व टोटियां तक उखाड़ लिया गया है।तो वहीं शौचालय की टंकी, किचन, कार्यालय के खिड़की–दरवाजे, सीढ़ी और रैंप की रेलिंग सहित कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। एबीएसए कार्यालय बहुआर में बताया गया कि विद्यालयों में प्रभारी अध्यापक नियुक्त हैं, लेकिन पढ़ने वाले बच्चे उपलब्ध नहीं हैं। विभाग द्वारा इन विद्यालय भवनों को आंगनबाड़ी केंद्रों को हस्तांतरित करने की योजना बनाए जाने की बात भी कही गई है। अन्नदाता मंच के संयोजक चौध री रमेश सिंह का कहना है कि, लाखों रुपये की लागत से बने विद्यालयों का उपयोग न होना और देखरेख के अभाव में उनका जर्जर होना सरकारी धन की बर्बादी है। शासन द्वारा मामले का तत्काल संज्ञान लेकर विद्यालयों में पठन–पाठन शुरू कराने तथा क्षतिग्रस्त सामान और भवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान व ओडीओपी के छूटे आवेदकों को अंतिम मौका

मीरजापुर। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना एवं एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के तहत छूटे हुए पात्र आवेदकों को साक्षात्कार का अंतिम अवसर दिया गया है। जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र की ओर से वर्ष 2026–27 के लिए साक्षात्कार की तिथियां घोषित कर दी गई हैं। उपायुक्त उद्योग संदीप कुमार ने बताया कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत नाई, राजमिस्त्री, कुम्हार, बढ़ई और मोची ट्रेड के आवेदकों तथा ओडीओपी प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के तहत कालीन और पीतल ट्रेड के उन आवेदकों का साक्षात्कार 18 एवं 19 सितंबर को पूर्वाह्न 11 बजे से होगा, जिन्होंने 15 सितंबर 2026 तक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया है और दस्तावेज सत्यापन एवं स्क्रूटनी में पात्र पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में आयोजित साक्षात्कार में किसी कारणवश अनुपस्थित रह गए आवेदकों को भी 18 एवं 19 सितंबर को उपस्थित होकर साक्षात्कार देने का अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। पात्र आवेदकों को जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र, कार्यालय उपायुक्त उद्योग, मीरजापुर में साक्षात्कार समिति के समक्ष उपस्थित होना होगा। आवेदकों को अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, फोटो, बैंक पासबुक, संबंधित प्रमाण–पत्र समेत सभी मूल दस्तावेज साथ लाने होंगे। साक्षात्कार में प्रतिभाग करने वाले पात्र अभ्यर्थियों की सूची कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पांच किमी क्षेत्र नो-फ्लाइंग जोन

आजमगढ़ (आर एन एस) उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के 16 सितंबर को प्रस्तावित आजमगढ़ दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने उपमुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थलों और उनके आसपास पांच किलोमीटर की परिधि को नो–फ्लाइंग जोन घोषित किया है। इस दौरान सभी प्रकार के ड्रोन की उड़ान एवं संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।जारी आदेश के अनुसार उपमुख्यमंत्री 16 सितंबर, बुधवार को थाना गंभीरपुर क्षेत्र के ग्राम गंभीरपुर तथा थाना बरदह क्षेत्र के ग्राम जिवली में पहुंचेंगे। प्रशासन ने यह आदेश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पत्र के क्रम में जारी किया है। जनपद में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 की ध ारा 163 पहले से प्रभावी है। संबंधित अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से अनुपालन कराने के निर्देश दिए गए हैं।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उपमुख्यमंत्री सुबह 11रू55 बजे रानीपुर रजमो स्थित रामदेव मेमोरियल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे। इसके बाद 12रू05 बजे गंभीरपुर बाजार निवासी अवधेश मौर्य के पिता स्वर्गीय रामसमुझ मौर्य के निधन पर उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद जनपद की विकासशील एवं निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करेंगे।इसके उपरांत उपमुख्यमंत्री 12रू40 बजे जिवली स्थित क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय के आवास पहुंचकर उनकी माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। कार्यक्रम के मद्देनजर पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा, यातायात और निगरानी के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

कोई भी प्रकरण डिफाल्टर श्रेणी में न जाए, निर्धारित समय-सीमा में हो निस्तारण

आजमगढ़(आर एन एस)जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) पर प्राप्त विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने विभागवार एवं तहसीलवार शिकायतों की स्थिति, निस्तारण की गुणवत्ता तथा प्राप्त फीडबैक की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधि कारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही, शिथिलता अथवा औपचारिकता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।जिलाधिकारी ने विभागवार सर्वाधिक शिकायतों वाले टॉप–5 विभागों–राजस्व विभाग, पंचायती राज विभाग, विद्युत विभाग, ग्राम्य विकास विभाग तथा खाद्य एवं रसद विभाग की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए अपने अधीनस्थ जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबंधित ग्रामों में भेजकर मौके पर जांच कराएं तथा नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केवल पोर्टल पर निस्तारण आख्या अपलोड करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिकायतकर्ता की वास्तविक समस्या का समाधान होना चाहिए।

दो भाइयों के विवाद में बीच बचाव करने गए अधेड़ की बिजली के पोल में सिर टकराने से हुई मौत

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के बंजारी कलां गांव में सोमवार की देर शाम साढ़े छह बजे के करीब शराब के नशे में लड़ रहे दो भाइयों के बीच बचाव के लिए पहुंचे गांव निवासी वृद्ध की पास में स्थित बिजली के खंभे में सिर टकराने से घटना स्थल पर ही मौत हो गई। बंजारी कलां गांव में शराब पीने के बाद दुकान पर गुटखा खरीदने गए बंजारी कलां गांव निवासी कमलाशंकर उर्फ अमल कोल तथा उसका छोटा भाई रत्नेश उर्फ लोहा शराब के नशे में धुत होकर गांव की दुकान पर गुटखा खरीदने गए थे उसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों आपस में दो लड़ाई झगड़ा करने लगे।पास में मौजूद गांव निवासी 70 वर्षीय हीरा कोल दोनों भाइयों को आपस में झगड़ते देख बीच बचाव के लिए पहुंचे तो कमला शंकर उर्फ अमल कोल का हाथ हीरा कोल को लग गया जिससे हीरा कोल पास में स्थित बिजली के खंभे से टकरा गए।सिर में गंभीर चोट लगने के कारण हीरा कोल की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक ड्रमंडगंज राजेश कुमार एसआई कृपाशंकर यादव, पुनीत कुमार गुप्ता ने घटना की जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना के बाद रत्नेश उर्फ लोहा मौके से भाग निकला पुलिस कमला शंकर उर्फ अमल कोल को पकड़कर थाने ले गई। ग्रामीणों का कहना है कि बंजारी कलां गांव में अवैध रूप से शराब की बिक्री होने पर शराबी आए दिन झगड़ा करते रहते हैं। शराबियों के झगड़े में बीच–बचाव करने गए वृद्ध को आपस में लड़ रहे भाइयों द्वारा धक्का देने से मौत हो गई।इस संबंध में सीओ लालगंज अमर बहादुर ने बताया कि शराब के नशे में आपस में विवाद कर रहे दो भाइयों के बीच बचाव के लिए गए वृद्ध हीरा कोल को एक भाई का हाथ लग गया जिससे पास में बिजली के खंभे में टकराने से गंभीर चोट लगने से मौत हो गई है। मृतक के परिजन इस संबंध में कोई कार्रवाई नही चाहते हैं। यदि मृतक के परिजन आरोपितों के विरुद्ध तहरीर देते हैं तो आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

मोबाइल से सोलर तक, युवाओं को मिलेगा रोजगार का हुनर

'दूसरे चरण में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में 14 नए ट्रेड जोड़े गए

मीरजापुर। बेरोजगार युवाओं को हुनरमंद बनाकर अपने पैरों पर खड़ा करने की दिशा में शासन ने विश्वकर्मा श्रम योजना 2.0 की शुरूआत की है। योजना के दूसरे चरण में 14 नए ट्रेड शामिल किए गए हैं। इनका युवा प्रशिक्षण ले सकेंगे। उद्योग विभाग के इस योजना का उद्देश्य बेहतर प्रशिक्षण देना नहीं बल्कि युवाओं को हुनर से स्वरोजगार तक पहुंचाना है। चयनित अभ्यर्थियों को 10 दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में युवाओं को सम्बंधित व्यवसाय की बारीकियां, काम करने की तकनीक, उपकरणों के इस्तेमाल और व्यवसाय को बेहतर ढंग से संचालित करने की जानकारी दी जाएगी। इससे प्रशिक्षण लेने वाले युवा नौकरी तलाशने के बजाय अपना काम शुरू करने के लिए तैयार हो सकेंगे। योजना के पहले चरण में बढ़ई, दर्जी, कुम्हार, लोहार, नाई, राजमिस्त्री, सुनार, टोकरी बुनकर, हलवाई, मोची और धोबी समेत 11 परम्परागत ट्रेड शामिल थे। इन ट्रेडों में प्रशिक्षण देकर पारम्परिक हुनर को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा था।

नए ट्रेडों में मूर्तिकार, मालाकार, भड़भूजा, दूधवाला, मछुआरा, मोबाइल मरम्मत, ऑटोमोबाइल मरम्मत, इलेक्ट्रॉनिक सामान की मरम्मत, विद्युत सामान की मरम्मत, प्लंबर, कम्प्यूटर मरम्मत, सोलर इंस्टॉलेशन, डिजिटल फोटोग्राफी और सौंदर्य एवं वेलनेस जैसे कार्य शामिल हैं। उपायुक्त उद्योग संदीप कुमार ने बताया कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना 2.0 में परम्परागत व्यवसायों के साथ बाजार की वर्तमान मांग को ध्यान में रखते हुए नए ट्रेड शामिल किए गए हैं। चयनित युवाओं को 10 दिन का प्रशिक्षण देकर सम्बंधित कार्य में दक्ष बनाया जाएगा।

जल शोधन संयंत्र में पहुंचे डेनमार्क के राजदूत रासमुस एबिल्डगार्ड क्रिस्टेनसेन

लालगंज, मीरजापुर। नरैना कला में जल जीवन मिशन के तहत संचालित जल शोधन संयंत्र में मंगलवार को डेनमार्क के राजदूत रासमुस एबिल्डगार्ड क्रिस्टेनसेन पहुंचे। उन्होंने संयंत्र का भ्रमण कर कच्चे पानी को शुद्ध पेयजल में बदलने की प्रक्रिया देखी। पानी की गुणवत्ता जांचने वाली प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया।संयंत्र के अधिकारियों ने राजदूत को पानी के स्रोत से लेकर शोधन, क्लोरीनेशन और घरों तक आपूर्ति की पूरी व्यवस्था समझाई। उन्होंने अलग–अलग चरणों को देखा और पानी की गुणवत्ता बनाए रखने से जुड़े सवाल किए। पानी के नमूने लेने और उनकी जांच की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी ली।एडीएम विजेता ने जल जीवन मिशन से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी दी। एनसीसी कंपनी के हेड विनोद मिश्रा ने पानी के स्रोत, उसकी गुणवत्ता और शोधन प्रक्रिया में क्लोरीन के उपयोग के बारे में बताया।राजदूत ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल मिलने से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में भी सवाल किए। उन्होंने जलजनित बीमारियों, डायरिया में कमी और ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार से जुड़े पहलुओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने योजना से ग्रामीण क्षेत्र में हुए बदलावों के बारे में बताया। निरीक्षण के दौरान राजदूत ने संयंत्र के विभिन्न हिस्सों की तस्वीरें भी लीं।

एसडीएम ने जलभराव की शिकायत पर नाली खुदवा कराई जल निकासी

चित्रकूट। मऊ तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत सुरौंधा के मजरा महादेव का पुरवा में बारिश के पानी से हुए जलभराव की समस्या का उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मौके पर पहुंचकर निस्तारण कराया। लंबे समय से रास्ते में पानी जमा होने के कारण ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों के अनुसार, रास्ते से निकलते समय कई बार बच्चे और राहगीर फिसलकर गिर चुके थे।शिकायत मिलने के बाद एसडीएम राम ऋषि रमन ने मौके का निरीक्षण किया। स्थिति को देखते हुए उन्होंने ग्राम प्रधान पहलवान राजपूत को तत्काल बुलाकर जेसीबी मंगाने के निर्देश दिए। इसके बाद जेसीबी की मदद से कई घंटे तक अभियान चलाकर जल निकासी के लिए नाली की खुदाई कराई गई। रास्ते में पानी रोकने वाले अतिक्रमण को भी हटवाया गया। एसडीएम की मौजूदगी में दोनों ओर नालियों की खुदाई कर जल निकासी का रास्ता तैयार कराया गया। इसके बाद रास्ते पर जमा बारिश का पानी तेजी से निकलने लगा और ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिली। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि समस्या की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई होने से उन्हें काफी राहत मिली है। मौके पर मऊ थाना पुलिस, लेखपाल, ग्राम प्रधान पहलवान राजपूत, समाजसेवी सुशील पांडेय उर्फ बड़का पांडेय सहित ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों की सक्रियता से समस्या का मौके पर ही समाधान हुआ।

तीमारदारों के विश्राम को सीएचसी पहाड़ी में बनेगा नेता जी मुलायम सिंह यादव विश्राम हाल

चित्रकूट। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी में मंगलवार को सदर विधायक अनिल प्रधान ने विधायक निधि योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 से 16.62 लाख रुपये की लागत से इलाज के लिए आने वाले मरीजों के परिजनों को रुकने एवं विश्राम की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्व मुलायम सिंह यादव 'नेताजी के नाम पर विश्राम हाल के निर्माण कार्य का शिलान्यास, भूमि पूजन किया। इस विश्राम हाल के निर्माण से दूरदराज के सैकड़ों गांवों से आने वाले मरीजों के परिजनों को अस्पताल परिसर में रात्रि विश्राम एवं ठहरने की बेहतर सुविधा मिल सकेगी।विधायक अनिल प्रधान ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के साथ मरीजों और उनके परिजनों की सुविधाओं का ध्यान रखना भी प्राथमिकता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी में बनने वाला यह विश्राम हाल जरूरतमंद परिवारों के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा कि नेताजी स्व मुलायम सिंह यादव हमेशा गरीब, किसान, मजदूर और आम जनता के हितों के लिए समर्पित रहे। उनके नाम पर बनने वाला यह विश्राम हाल जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाने का एक सार्थक प्रयास है। साथ ही ऊर्जा संरक्षण एवं स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए ग्राम पंचायत कुचारम, पिलखिनी एवं दरसेंडा के सचिवालय भवन में पांच किलोवॉट क्षमता के ऑफ ग्रिड सोलर पावर प्लांट की स्थापना की गई। विध ायक ने कहा कि सोलर पावर प्लांट की स्थापना से सचिवालय भवन की विद्युत आवश्यकताओं को सौर ऊर्जा के माध्यम से पूरा करने में मदद मिलेगी।

भारतीय शेयर बाजार मजबूती के साथ खुला, आईटी स्टाक्स में खरीदारी

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को मजबूती के साथ खुला। सुबह 9रू17 पर सेंसेक्स 393 अंक या 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 75,178 और निफ्टी 103 अंक या 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,495 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार में खरीदारी का नेतृत्व आईटी शेयर कर रहे थे। सूचकांकों में निफ्टी आईटी करीब 5 प्रतिशत की बढ़त के साथ टॉप गेनर था। वहीं, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी ऑटो और निफ्टी ऑयलएंडगैस हरे निशान में थे। निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसई, निफ्टी फार्मा, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी प्राइवेट बैंक लूजर्स थे।सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, आईटीसी, टाटा स्टील, सन फार्मा और ट्रेंट गेनर्स थे। बीईएल, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, टाइटन, पावर ग्रिड, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और इटरनल लूजर्स थे।ज्यादातर वैश्विक बाजारों में कमजोरी देखी जा रही है। शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक और जकार्ता लाल निशान में थे, जबकि टेक्यो हरे निशान में था। अमेरिकी शेयर बाजार लाल निशान में बंद हुआ था, जिसमें मुख्य सूचकांक डाओ डोन्स 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और नैस्डैक 0. 56 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।वैश्विक बाजारों में गिरावट की वजह मध्य पूर्व में लगातार

बढ़ता युद्ध है, जिससे पूरे क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। इसके चलते डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 103 डॉलर प्रति बैरल और बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ 107 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ है।इससे दूसरी तरफ सोने और चांदी की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। खबर लिखे जाने तक कॉमैक्स पर सोना 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,344 डॉलर प्रति औस और चांदी आधा प्रतिशत की कमजोरी के साथ 63 डॉलर प्रति औंस पर थी।

2,000 रुपए तक के यूपीआई भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा केंद्र सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने सोमवार को स्पष्ट किया कि 2,000 रुपए तक के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर बैंक किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लगा सकेंगे। इसी तरह, रुपे डेबिट कार्ड के जरिए 2,000 रुपए तक किए गए भुगतान पर भी कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी राजपत्र (गजट) अधिसूचना के अनुसार, रुपे डेबिट कार्ड और 2,000 रुपए तक के यूपीआई लेनदेन को आधिकारिक रूप से श्इलेक्ट्रॉनिक भुगतान माध्यमश के रूप में अधिसूचित किया गया है।

अधिसूचना में कहा गया है कि कोई भी बैंक या भुगतान प्रणाली संचालक इन माध्यमों से भुगतान करने या प्राप्त करने वाले व्यक्ति से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी प्रकार का शुल्क नहीं वसूल सकता।

सरकार ने यह फैसला पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 के तहत अधिकारों का उपयोग करते हुए लिया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यूपीआई लेनदेन पर लगने वाले संभावित शुल्कों को लेकर बनी भ्रम की स्थिति को दूर करना है।

पिछले महीने भी केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया था कि आम उपभोक्ताओं के लिए यूपीआई के माध्यम से किए जाने वाले व्यक्ति–से–व्यक्ति (पी2पी) भुगतान पूरी तरह मुफ्त रहेंगे। सरकार ने कहा था कि व्यापारियों (मर्चेंट्स) पर भी कोई व्यापक रूप से लागू होने वाला मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) नहीं लगाया जाएगा।वित्त मंत्रालय के अनुसार, यदि भविष्य में एमडीआर लागू किया भी जाता है, तो वह केवल कुछ विशेष श्रेणी के व्यापारी लेनदेन पर, एक निश्चित सीमा से अधिक राशि वाले भुगतानों

पर और बेहद मामूली दर पर ही लागू होगा।

सरकार ने यह भी कहा कि ऐसी स्थिति में भी शुल्क डेबिट या क्रेडिट कार्ड लेनदेन पर लगने वाले एमडीआर की तुलना में काफी कम होगा।

यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब हाल ही में पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 में किए गए संशोधनों के बाद यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाए जाने की आशंकाओं को लेकर चर्चा चल रही थी। सरकार ने साफ किया है कि 2,000 रुपए तक के यूपीआई भुगतान और रुपे डेबिट कार्ड से किए गए भुगतान पर ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

खाद्य महंगाई बढ़ने से सीपीआई में हुई बढ़ोतरी, मौसम और तेल की कीमतों से आगे भी जोखिम की संभावना इकोनामिस्ट्स

नई दिल्ली ,। केयरएज रेटिंग्स की मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा ने सोमवार को कहा कि जुलाई में 4.5 प्रतिशत रहने वाली खुदरा महंगाई अगस्त में बढ़कर 4.82 प्रतिशत हो गई। इसके पीछे मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं की ऊंची कीमतें हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि महंगाई का आउटलुक अभी भी मौसम संबंधी जोखिमों और बाहरी कारकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है।

रजनी सिन्हा के अनुसार, कोर महंगाई अगस्त में बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 4.2 प्रतिशत थी। हालांकि कीमती धातुओं को छोड़कर कोर महंगाई अपेक्षाकृत नियंत्रित रही और 3.3 प्रतिशत के स्तर पर बनी रही। मुख्य महंगाई दर में बढ़ोतरी का कारण चीनी, चावल, खाद्य तेल और प्याज जैसी कुछ सब्जियों की कीमतों में वृद्धि रही।उद्योग संगठन पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) द्वारा उद्धृत आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में सालाना आधार पर 4.82 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। खाद्य महंगाई जुलाई के 5. 52 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त में 5.66 प्रतिशत हो गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई 6. 13 प्रतिशत रही।प्रमुख खाद्य वस्तुओं में अदरक, प्याज और लहसुन की कीमतों में क्रमशरू 73.82 प्रतिशत, 48.27 प्रतिशत और 43.60 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि

टमाटर और आलू की कीमतों में राहत देखने को मिली। अगस्त के दौरान टमाटर 31.09 प्रतिशत और आलू 13.14 प्रतिशत सस्ता हुआ।

सिन्हा ने कहा कि देर से आए मानसून के कारण प्याज की नई फसल की बुवाई प्रभावित हुई है, जिससे बाजार में नई फसल की आवक में देरी हुई और कीमतों पर दबाव बना। वहीं, गन्ने की अपेक्षा से कम पैदावार और एथेनॉल उत्पादन की ओर बढ़ते रुझान के कारण घरेलू उपलब्धता कम हुई है, जिससे चीनी की कीमतों पर असर पड़ा है।खाद्य कीमतों में वृद्धि का असर खाद्य एवं पेय उद्योग की लागत पर भी पड़ रहा है। पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने कहा कि आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, रेस्तरां और अन्य संबंधित सेवाओं पर लागत का दबाव और बढ़ सकता है।

अगस्त में व्यक्तिगत देखभाल, सामाजिक सुरक्षा तथा विविध वस्तु एवं सेवा श्रेणी में भी महंगाई ऊंचे स्तर पर रही और यह 15. 21 प्रतिशत दर्ज की गई। इसका मुख्य कारण सोना और चांदी की वैश्विक कीमतों में तेजी के चलते आभूषणों के दाम बढ़ना रहा। इस दौरान चांदी के आभूषणों की कीमतों में 107.11 प्रतिशत और सोना, हीरा एवं प्लैटिनम आभूषणों की कीमतों में 35.53 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।वहीं, पीएचडीसीसीआई के महासचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रणजीत मेहता ने कहा कि कीमती धातुओं की लगातार ऊंची कीमतें आगामी त्योहारी और शादी–ब्याह के सीजन के दौरान मांग को प्रभावित कर सकती हैं।

केयरएज रेटिंग्स का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026–27 की तीसरी तिमाही में खुदरा महंगाई अपने उच्च स्तर पर पहुंच सकती है और पूरे वित्त वर्ष में इसका औसत लगभग 5 प्रतिशत रह सकता है। मौद्रिक नीति के संबंध में रजनी सिन्हा ने कहा कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति आगे भी आंकड़ों के आधार पर फैसले लेगी और उसके निर्णय महंगाई तथा आर्थिक वृद्धि की बदलती परिस्थितियों पर निर्भर करेंगे।उन्होंने कहा, यदि महंगाई में लगातार बढ़ोतरी बनी रहती है तो आने वाले महीनों में ब्याज दरों में वृद्धि की संभावना मजबूत हो सकती है।

सरकार निर्यातकों और आयातकों के लिए शुरू कर रही फेसलेस, पेपरलेस व्यापार सुविधा प्रणाली

नई दिल्ली ,। वाणिज्य मंत्रालय निर्यातकों और आयातकों के लिए व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फेसलेस व्यापार सुविध ा प्रणाली शुरू करने के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) में एक नया केंद्रीय प्रसंस्करण विभाग स्थापित कर रहा है।

डीजीएफटी के एक कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्रीय प्रसंस्करण विभाग (सीपीडी) व्यापार संबंधी आवेदनों के प्रसंस्करण के लिए एक केंद्रीय इकाई के रूप में कार्य करेगा। यह दिल्ली के केंद्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र में स्थित होगा।

ज्ञापन में कहा गया कि यह प्रणाली अक्टूबर 2026 के दूसरे पखवाड़े के दौरान राष्ट्र को समर्पित करने का प्रस्ताव है।

फेसलेस व्यापार सुविधा सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य व्यापार संबंधी आवेदनों के फेसलेस, पेपरलेस और क्षेत्राधिकार–मुक्त प्रसंस्करण को सक्षम बनाना है। इससे प्रसंस्करण समय कम करने, पारदर्शिता बढ़ाने और निर्यातकों और आयातकों के लिए व्यापार सुगमता में सुधार करने में मदद मिलेगी।नई इकाई में डीजीएफटी मुख्यालय और उसके क्षेत्रीय प्राधि ाकरणों से अधिकारी और कर्मचारी शामिल होंगे।

दिल्ली और क्षेत्रीय केंद्रों से डीजीएफटी के 53 अधिकारियों को विभाग में तैनात या स्थानांतरित किया गया है। इनमें पांच संयुक्त डीजीएफटी, 10 उप डीजीएफटी और सात सहायक डीजीएफटी शामिल हैं।सक्षम प्राधिकारी को तत्काल प्रभाव से अधिकारियों की तैनाती और स्थानांतरण केंद्रीय प्रसंस्करण विभाग (सीपीडी), सीएलए दिल्ली में करने का आदेश देने का निर्देश दिया गया है।

संबंधित अधिकारी 30 सितंबर को अपने वर्तमान कार्यभार से

मुक्त हो जाएंगे और उन्हें अभिविन्यास एवं प्रशिक्षण के लिए डीजीएफटी मुख्यालय, वाणिज्य भवन, 5 अक्टूबर को रिपोर्ट करना होगा। अभिविन्यास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा होने पर, अधिकारी सीएलए दिल्ली स्थित केंद्रीय प्रसंस्करण विभाग में कार्यभार ग्रहण करेंगे, ज्ञापन में यह कहा गया है।संबंधित क्षेत्रीय या क्षेत्रीय प्राधिकारियों के प्रमुख और डीजीएफटी (एचओ) के संबंधित प्रभाग यह सुनिश्चित करेंगे कि अधिकारियों को बिना किसी अपवाद के उपरोक्त तिथि पर कार्यभार से मुक्त कर दिया जाए और कार्यभार, लंबित फाइलें और मामले के रिकॉर्ड व्यवस्थित तरीके से सौंप दिए जाएं।

चोट से उबरकर की दमदार वापसी, अफगानिस्तान के खिलाफ झटके 3 विकेट

भारतीय ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 में 3द्24 का शानदार स्पेल डालकर भारत की जीत पक्की की। चोट के बाद रिहैब से लौटे नितीश ने इस प्रदर्शन पर खुशी जताई और टीम मैनेजमेंट के भरोसे व सकारात्मक सोच को अपनी सफलता का आध ार बताया। मैच जिताने वाली गेंदबाजी के बाद, भारतीय ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने बेंगलुरु के श्सेंटर ऑफ एक्सीलेंसश में रिहैब के दौरान बिताए समय और चोटों व खराब प्रदर्शन के बावजूद अपनी सकारात्मकता बनाए रखने के बारे में बात की। अब, यह युवा ऑलराउंडर अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे ज्20ए में तीन विकेट लेने से मिले आत्मविश्वास को आगे ले जाना चाहता है। सनराइजर्स हैदराबाद के साथ शानदार इंडियन प्रीमियर लीग (प्च्स्) सीजन के बाद चोटों और रिहैब की वजह से महीनों तक मैदान से दूर रहने के बाद, नितीश ने मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम मेंअफगानिस्तान के खिलाफ 3द्24 के आंकड़े के साथ भारत को तेज गेंदबाजी करने वाले ऑलराउंडर के तौर पर एक बड़ी उम्मीद दी और अपनी गेंदबाजी से भारत के लिए सीरीज पक्की कर दी। 2026 सीजन में 13 पारियों में एक अर्धशतक के साथ 302 रन बनाने और 140 किमीध्घंटा की रफ्तार तक पहुँचने (जिससे उन्हें आठ विकेट मिले) के बाद, नीतीश उस लय को बरकरार नहीं रख पाएय अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान जांघ की चोट (क्वाड्रिसेप्स इंजरी) के कारण वह आयरलैंड, इंग्लैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ ज्20ए सीरीज से बाहर हो गए। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के बैकअपधरिप्लेसमेंट के तौर पर देखे जाने वाले 23 वर्षीय नीतीश, एक गेंदबाज के तौर पर अपनी कला को निखारने के लिए जरूरी काफी कीमती मैच–टाइम नहीं खेल पाए।हालांकि, अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे ज्20ए मैच में नीतीश ने कप्तान इब्राहिम जदरान, गुलबदीन नायब और राशिद खान के अहम विकेट लिए और तीन ओवर में 3द्24 का शानदार स्पेल डाला, जिससे उन पर से कुछ समय के लिए दबाव हट गया है। ठब्ब्प् के एक वीडियो में नीतीश ने कहा कि इंसान को पॉजिटिव रहना चाहिए और भगवान सही समय पर फल देते हैं। नीतीश,

जिनकी पहले ज्20ए में दो ओवर में 30 रन की पिटाई हुई थी, ने टीम मैनेजमेंट से मिले सपोर्ट और अपने करियर के लिए आने वाले दिनों में बहुत अहम साबित हो सकने वाले इस बॉलिंग परफॉर्मेंस पर खुशी जाहिर की। नीतीश ने कहा कि बस आपको मानसिक रूप से पॉजिटिव रहना है और अच्छा काम करना है, और भगवान आपको सही समय पर सब कुछ देंगे। बहुत अच्छा लगता हैय चोट से वापसी करने वाले हर खिलाड़ी को कॉन्फिडेंस की जरूरत होती है। सच कहूँ तो, पहला गेम मेरे लिए उतना अच्छा नहीं था, लेकिन दूसरे गेम में मुझे ज़्यादा खुशी हुई, क्योंकि किसी भी खिलाड़ी को ऐसे कॉन्फिडेंस की जरूरत होती है, और मुझे उम्मीद है कि मैं यह कॉन्फिडेंस आगे भी बनाए रखूँगा। भारतीय टीम का हिस्सा बनना हमेशा गर्व की बात होती है, और मैनेजमेंट ने मुझे काफी मौके दिए हैं और मुझ पर बहुत भरोसा दिखाया है।

संजू सैमसन ने टी 20 में 57 रन जड़कर आलोचकों को दिया जवाब, बोले- मैं रोबोट नहीं हूं

अफगानिस्तान के खिलाफ 22 गेंदों में 57 रन बनाने वाले संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने बाहरी आलोचनाओं से निपटना सीख लिया है। उन्होंने माना कि भारतीय टीम में शीर्ष क्रम को लेकर कड़ी प्रतिस्पर्धा है। सैमसन के मुताबिक बाहरी बातों पर ध्यान देने के बजाय खिलाड़ियों को अपनी सोच और खेल की तैयारी पर ध्यान देना चाहिए।(संजू सैमसन ने कहा कि अपने कैरियर को लेकर बाहरी आवाजों से निपटना उन्होंने सीख लिया है लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि भारतीय टीम में शीर्षक्रम के स्थानों को लेकर प्रतिस्पर्धा चुनौतीपूर्ण है और खिलाड़ियों को चयन से जुड़े फैसलों को लेकर सकारात्मक रहना पड़ता है। सैमसन ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में मंगलवार को 22 गेंद में 57 रन बनाये। भारत ने यह मैच सात विकेट से जीतकर श्रृंखला अपने नाम की। सैमसन ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' मैं वाईफाई बंद रखने की कोशिश करता हूं। लेकिन कई बार जब खुल जाता है तो मैं सीनियर खिलाड़ियों के कमेंट देखता हूं। यह सामान्य है। मुझे लगता है कि यह उनकी पसंद है।'' उन्होंने कहा ,'' कई बार यह उनकी सोच होती है। यह उन पर निर्भर करता है। वे सकारात्मक बोल सकते हैं या नकारात्मक। मैं इतना परिपक्व हूं और मुझे अनुभव है कि इससे कैसे निपटना है।'' उन्होंने कहा ,'' पहले पहल यह बुरा लगता है। मैं कोई मशीन नहीं हूं। कोई रोबोट नहीं हूं। इससे फर्क पड़ता है। लेकिन जब आप खुद से बात करने की कोशिश करते हैं और समझते हैं कि आप क्या है और आपको क्या करना है।'' सैमसन ने कहा कि भारतीय क्रिकेटरों को लेकर चर्चाओं से बचा नहीं जा सकता लेकिन अपनी सोच को लेकर स्पष्टता जरूरी है। उन्होंने कहा ,'' बाहरी आवाजों का असर तो पड़ता ही है। लेकिन आपको इस बारे में स्पष्ट होना चाहिये कि आपकी क्या सोच है।

टी 20 वर्डकप से बंगलादेश टीम के हटने के लिए आसिफ नजरूल जिम्मेदार, जांच में खुलासा

बांग्लादेश सरकार की जांच कमेटी ने टी20 वर्ल्ड कप से टीम के हटने के लिए पूर्व खेल सलाहकार आसिफ नजरुल को मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया है। रिपोर्ट में रणनीतिक नेतृत्व की कमी के लिए बीसीबी की भी आलोचना की गई। भारत में खेलने से इनकार करने के बाद आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया था। बांग्लादेश सरकार की एक जांच में इस साल की शुरुआत में भारत में हुए टी 20 वर्ल्ड कप से पुरुष क्रिकेट टीम को हटाने के फैसले के लिए, उस समय देश की अंतरिम सरकार में खेल सलाहकार रहे आसिफ नजरुल को ही जिम्मेदार ठहराया गया है। 16 सितंबर को तीन सदस्यों वाली एक कमेटी की तरफ से जारी रिपोर्ट में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) की भी आलोचना की गई है। इसमें कहा गया है कि इस अहम मामले को संभालने में बोर्ड में स्वतंत्र रणनीतिक नेतृत्व, संकट के समय कूटनीति की क्षमता और लंबी अवधि की योजना की कमी थी। 24 जनवरी को, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (प्ब्ब्) और ठब्ठ के बीच तीन हफ्ते की बातचीत के बाद, ज्20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि प्ब्ब् बोर्ड के ज्यादातर सदस्यों ने बांग्लादेश के हिस्सा लेने के खिलाफ वोट दिया था। यह फैसला ठब्ठ के भारत में मैच खेलने से इनकार करने के बाद लिया गया। यह विवाद तब शुरू हुआ जब ठब्ब्प् ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग से हटा दिया।

एशियाई खेलों से चोट के कारण बाहर हुए वरुण चक्रवर्ती विपराज निगम को देगी मौका!

भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती साइड स्ट्रेन की चोट के कारण एशियाई खेलों से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई अब उनकी जगह दिल्ली कैपिटल्स के युवा

ऑलराउंडर विपराज निगम को टीम में शामिल करने की तैयारी में है। विपराज ने हाल ही में गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था।भारत के स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को आने वाले एशियाई खेलों से बाहर कर दिया गया है। अरुण जेटली स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ज्20ए मैच के दौरान उन्हें श्साइड स्ट्रेनश (पसलियों के पास की मांसपेशियों में खिंचाव) की समस्या हो गई थी, जिसके कारण वे फिलहाल खेल से दूर रहेंगे। ठब्ब्प् के एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि वरुण अनिश्चित काल के लिए बाहर हो गए हैं। लंबी लिस्ट में से विपराज निगम और कुलदीप यादव दो उपलब्ध ा विकल्प थे। कुलदीप इस महीने के आखिर में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे मैच खेलेंगे।उनकी जगह ठब्ब्प् एशियाई खेलों की टीम में विपराज निगम को शामिल करने जा रही है। दिल्ली कैपिटल्स के इस ऑलराउंडर ने 33 ज्20 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 157.41 के स्ट्राइक रेट से 244 रन बनाए हैं और खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट में 34 विकेट भी लिए हैं। प्च्स् की बात करें तो, 22 साल के इस खिलाड़ी का स्ट्राइक रेट 176.40 है, जो ज्20 क्रिकेट में उनकी काबिलियत को साबित करता है। विपराज को अफगानिस्तान । और श्रीलंका । के खिलाफ ट्राई–सीरीज के लिए चुना गया था। इस दौरान, उत्तर प्रदेश के इस क्रिकेटर ने बैटिंग और बॉलिंग, दोनों में ही जबरदस्त प्रदर्शन किया। नौवें नंबर पर बैटिंग करते हुए उन्होंने श्रीलंका । के खिलाफ हाफ–सेंचुरी लगाई, जबकि इस स्पिन–बॉलिंग ऑलराउंडर ने सीरीज के दौरान सात विकेट भी लिए। टीम मैनेजमेंट उनके योगदान के लिए उन्हें इनाम दे सकता है और एशियन गेम्स की टीम में शामिल कर सकता है। चूंकि वह निचले क्रम में भी भरोसेमंद बल्लेबाज हैं, इसलिए टीम मैनेजमेंट उन्हें भविष्य के खिलाड़ी के तौर पर देख सकता है। प्च्स् में अपनी काबिलियत के मुताबिक खेलने के बावजूद, क्रुणाल पांड्या टीम में जगह नहीं बना पाए।

विक्रम की पावर हाउस दिखने में फैमिली ड्रामा, गेट खुलते ही खून-खराबा, फैंस बोले- अपरिचित रिटर्न

भिनेता चियान विक्रम की अगली फिल्म चियान 63 के टाइटल का एलान हो गया है. इस फिल्म का नाम पावर हाउस है. फिल्म निर्माताओं ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर फिल्म का टाइटल प्रोमो जारी किया , जिसमें आनंद शंकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म की एक शानदार और ध् ामाकेदार झलक दिखाई गई है.

प्रोमो में घरेलू ड्रामा, हास्य और हिंसा का एक अनोखा मिश्रण देखने को मिल रहा है. साथ ही विक्रम के किरदार के एक गहरे पहलू की ओर भी इशारा किया गया है. प्रोमो की शुरुआत में अभिनेता को एक पुराने जमाने के घर में केले से भरी डाली को ले जाते हुए दिखाया गया है. इसके बाद मेखा राजन, सुभाष सेल्वम और संयुक्ता हेगड़े को अपने–अपने काम पूरे करने के बाद विक्रम को रिपोर्ट करते हुए दिखाया गया है, जो एक खानपान सेवा के कारोबार की ओर इशारा करता है.

विक्रम एक ऐसे केयरटेकर की भूमिका में नजर आते हैं, जो शादियों का आयोजन करता है और अपने द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के लिए आत्मविश्वास से 100त्न गारंटी देता है. सर्वम माया फेम रिया शिबू को उनकी भतीजी के रूप में पेश किया गया है, और प्रोमो में उन्हें अक्सर अपने ही ख्यालों में खोई रहने वाली लड़की के रूप में दिखाया गया है.

उर्वशी और वीटीवी गणेश के साथ रसोई के एक सीन में भी हल्का–फुल्का माहौल बना रहता है, जहां वे खाना बनाते समय हंसी–मजाक करते नजर आते हैं. हालांकि, माहौल तब बदल जाता है जब विक्रम कुछ सामान लेने के लिए स्टोर रूम की ओर जाते हैं.

प्रोमो में विक्रम का वह रूप दिखाया गया है जिसे अन्नियन कहा जा रहा है. गेट के खुलते ही कमरे में दो बुरी तरह घायल लोग पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि विक्रम शांति से खून साफ कर रहे हैं. यह सीन बताता है कि उसके साधारण दिखने के पीछे एक रहस्यमय और निर्दयी व्यक्ति छिपा है.

पावर हाउस का प्रोमो देख अब विक्रम के फैंस तरह–तरह के कमेंट्स पोस्ट कर रहे हैं. कोई लिख रहा है कि इस फिल्म से एक्टर का बिग कमबैक होगा. किसी ने लिखा है लगता है अपरिचित लौट रहा है. बता दें, फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी और तब पता चलेगा कि दर्शकों को विक्रम का यह अवतार कैसा लगेगा.

पावर हाउस के संगीतकार

संतोष नारायणन हैं. सत्य ज्योति फिल्म्स ने अपने पोस्ट में सिनेमैटोग्राफर आरडी राजशेखर, गोपी प्रसन्ना (जो प्रोडक्शन डिजाइनर भी हैं) और कॉस्ट्यूम डिजाइनर–स्टाइलिश पूर्णिमा रामास्वामी को भी टैग किया है.

सत्य ज्योति फिल्म्स बैनर के तहत सेंधिल त्यागराजन और अर्जुन त्यागराजन द्वारा निर्मित पावर हाउस में शम्मी थिलाकन भी मुख्य भूमिका में हैं. इस फिल्म से विक्रम और शंकर 10 साल बाद फिर साथ में आ रहे हैं. इस एक्टर–डायरेक्टर की जोड़ी ने साल 2016 में हिट फिल्म इरु मुगन दी थी.

राग मयूर की अनुमान पक्षी का ट्रेलर जारी, 18 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक

अभिनेता राग मयूर जल्द ही अपनी नई फिल्म अनुमान पक्षी के साथ दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। डीजे टिल्लू फेम निर्देशक विमल कृष्णा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 18 सितंबर को बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया है, जिसे दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।ट्रेलर में एक ऐसे किरदार की कहानी की झलक देखने को मिलती है, जिसे हर चीज को लेकर शक रहता है। राग मयूर फिल्म में सनी की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सनी किस तरह कश्मीर पहुंचता है और इसके बाद एक पुलिसकर्मी उसके पीछे पड़ जाता है। इसी घटनाक्रम से फिल्म में हास्य की स्थिति पैदा होती है।राग मयूर ने अपने किरदार में हास्य, हाव–भाव और संवाद अदायगी से खासा प्रभाव छोड़ा है। ट्रेलर में उनकी हास्य शैली और पर्दे पर मौजूदगी दर्शकों का ध्यान खींचती है। फिल्म में मेरिन फिलिप मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में हैं और ट्रेलर में उनकी उपस्थिति भी प्रभावशाली नजर आती है।फिल्म की दृश्य प्रस्तुति को सुनील कुमार नामा की छायांकन कला ने बेहतर बनाया है। वहीं श्रीचरण पकाला के पृष्ठभूमि संगीत ने ट्रेलर के हास्य और रोमांच वाले दृश्यों को प्रभावी बनाने में योगदान दिया है। राजीव चिलका, राजेश जगतिआनी और हरिचंद दंड फिल्म के निर्माता हैं। फिल्म को चिलका प्रोडक्शंस प्रस्तुत कर रहा है। ट्रेलर से संकेत मिलता है कि श्अनुमान पक्षीश् में हास्य के साथ रहस्य और रोमांच का भी भरपूर तड़का देखने को मिलेगा। अब फिल्म की रिलीज के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि राग मयूर और विमल कृष्णा की यह जोड़ी दर्शकों की उम्मीदों पर कितनी खरी उतरती है।

सूरी की मंदाडी ने बाक्स अफ़िस पर मचाई धूम, पांच दिन में वर्ल्डवाइड कमाए 65 करोड़ रुपये से अधिक

अभिनेता सूरी की फिल्म मंदाडीश् बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के पांच दिनों में फिल्म ने दुनियाभर में 65 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। भारत में फिल्म की शुद्ध कमाई करीब 47 करोड़ रुपये, जबकि सकल कमाई लगभग 55 करोड़ रुपये बताई जा रही है। विदेशों से फिल्म ने करीब 10 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

सोमवार को फिल्म ने करीब 11.25 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई की, जिससे इसकी लगातार मजबूत पकड़ का संकेत मिला है। फिल्म के मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए इसके जल्द ही 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने की उम्मीद बढ़ गई है।

मंदाडीश् का बजट करीब 60 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस लिहाज से शुरुआती दिनों में फिल्म का प्रदर्शन काफी उत्साहजनक माना जा रहा है। फिल्म के प्रदर्शन के आधार पर इसके सिनेमाघर संबंधी लागत वसूली का अनुमान करीब 90 करोड़ रुपये शुद्ध कमाई के आसपास लगाया जा रहा है।

फिल्म के नेटफ्लिक्स प्रसारण अधिकार भी तय हो चुके हैं। हालांकि, इन अधिकारों की अंतिम कीमत को लेकर अलग–अलग रिपोर्ट सामने आई हैं और प्रदर्शन से जुड़ी व्यावसायिक शर्तों पर बातचीत जारी बताई जा रही है।

मथिमारन पुगाजेंधी के निर्देशन में बनी श्मंदाडीश् में सूरी के साथ सुहास, महिमा नांबियार और सत्यराज प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म में समुद्र पर आधारित शानदार दृश्यों को दर्शकों की ओर से खास पसंद किया जा रहा है। वहीं, सूरी के अभिनय की भी सराहना हो रही है।फिल्म निर्माता वेट्रिमरन ने भी श्मंदाडीश् की तारीफ की है। उन्होंने इसे अपने पुराने सहायक निर्देशकों में से किसी की पहली बड़ी सफल फिल्म बताते हुए इसके प्रदर्शन की सराहना की है।

फिल्म को लेकर दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया ने इसके कारोबार को मजबूती दी है। शुरुआती दौर में मिली–जुली समीक्षाओं के बावजूद दर्शकों की प्रतिक्रिया के कारण फिल्म की कमाई में गिरावट नहीं आई। त्योहारों के समय भी फिल्म ने अपनी रफ्तार बनाए रखी है।

दुनियाभर में 65 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई के बाद अब फिल्म की नजर 100 करोड़ रुपये के आंकड़े पर है। यदि दूसरे सप्ताह में भी मंदाडी सिनेमाघरों में मजबूत प्रदर्शन जारी रखती है, तो उसके 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने की पूरी संभावना है।

2 करोड़ की हनुमान अंश ने बटोरे 279 करोड़, बनी तीसरी सबसे बड़ी हिट फिल्म, मिजार्पुर मूवी 300 करोड़ क्लब की ओर

विशाल चतुर्वेदी की भक्ति प्रध ाान फिल्म श्हनुमान अंशश् ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी शानदार सफलता से बड़ी बजट वाली फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। महज 2 करोड़ रुपये के मामूली बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में अब तक 279.80 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। इसके साथ ही यह 2026 में दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तीसरी हिंदी फिल्म बन गई है।

खास बात यह है कि फिल्म ने महज 10 लाख रुपये की शुरुआती कमाई के साथ अपना सफर शुरू किया था। इसके बाद दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया के चलते फिल्म ने लगातार मजबूत प्रदर्शन किया और अब 300 करोड़ रुपये के वैश्विक कारोबार के बेहद करीब पहुंच गई है।

श्हनुमान अंशश् ने कमाई के मामले में श्मिर्जापुररू द मूवीश् और श्भूत बंगलाश् जैसी चर्चित फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। इस साल अब तक केवल श्धुरंध ार 2श् और श्बॉर्डर 2श् ही इससे अधिक कमाई करने में सफल रही हैं।

फिल्म का छठा सप्ताह भी बेहद शानदार रहा। सप्ताह के आखिरी तीन दिनों में फिल्म ने 51 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया। इसके साथ भारत में इसकी कुल कमाई 222.88 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। विदेशों में भी फिल्म को दर्शकों का अच्छा समर्थन मिला है और वहां से करीब 16.50 करोड़ रुपये की कमाई हुई है।

बड़ी बजट वाली फिल्मों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद श्हनुमान अंशश् की कमाई लगातार जारी है। फिल्म की सफलता में दर्शकों की सकारात्मक मौखिक प्रतिक्रिया को अहम वजह माना जा रहा है। शुरुआती दिनों में धीमी शुरुआत के बाद फिल्म ने जिस तरह अपनी पकड़ मजबूत की, उसने कारोबार के लिहाज से इसे 2026 की सबसे बड़ी सफल फिल्मों में शामिल कर दिया है।

पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु अभिनीत श्मिर्जापुररू द मूवीश् ने भी सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया है। रिलीज के 11वें दिन तक फिल्म ने भारत में करीब 225 करोड़ रुपये की सकल कमाई कर ली है। दुनिया भर में इसका कारोबार अब 275 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है।

फिल्म की भारत में शुद्ध कमाई 195 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। वहीं, 11वें दिन तक भारत में इसकी सकल कमाई लगभग 225 करोड़ रुपये रही। दूसरे सप्ताह में फिल्म की कमाई की रफ्तार कुछ धीमी जरूर हुई है, लेकिन अब भी इसका प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है।

श्मिर्जापुररू द मूवीश् को अपनी लोकप्रिय फ्रैंचाइजी की पहले से स्थापित लोकप्रियता का लाभ मिल रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, फिल्म के हिंदी संस्करण ने भारत में करीब

223 करोड़ रुपये की सकल कमाई की है, जबकि तेलुगु संस्करण से लगभग 2 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। इस तरह भारत में फिल्म की कुल सकल कमाई 225 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है।

फिल्म की सफलता यह भी दिखाती है कि लोकप्रिय धारावाहिक से बनी इस फ्रैंचाइजी की पकड़ केवल धारावाहिक देखने वाले दर्शकों तक सीमित नहीं है, बल्कि बड़े पर्दे पर भी इसे दर्शकों का मजबूत समर्थन मिल रहा है।दुनियाभर में करीब 275 करोड़ रुपये की कमाई के साथ श्मिर्जापुररू द मूवीश् 2026 की बेहतर प्रदर्शन करने वाली हिंदी फिल्मों में शामिल हो गई है। भारत में इसके 250 करोड़ रुपये की सकल कमाई का आंकड़ा पार करने की संभावना बनी हुई है।

हालांकि, दुनिया भर में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने के लिए दूसरे सप्ताह के बाद फिल्म की कमाई की रफ्तार महत्वपूर्ण होगी।

इरुमुडी ने बश्क्स आफिस पर मचाई धूम, 25 दिनों में 240 करोड़ के करीब पहुंची कमाई

अभिनेता रवि तेजा की एक्शन और मनोरंजन से भरपूर फिल्म इरुमुडीश् सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के 25 दिनों में फिल्म ने दुनियाभर में करीब 240 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। चौथे सप्ताह में प्रवेश करने के बावजूद फिल्म की कमाई की रफ्तार बनी हुई है। खासतौर पर सप्ताहांत और छुट्टियों के दौरान इसे दर्शकों का अच्छा समर्थन मिल रहा है। मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए फिल्म के 250 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

फिल्म को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और विदेशी बाजारों में लगातार अच्छा समर्थन मिला है। इन क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन के चलते श्इरुमुडीश् रवि तेजा के करियर की बड़ी सफल फिल्मों में शामिल हो गई है। फिल्म ने सिनेमाघरों में दर्शकों को आकर्षित करने में सफलता हासिल की है और 2026 में तेलुगु सिनेमा की उल्लेखनीय सफल फिल्मों में अपनी जगह बना ली है।इरुमुडीश् का प्रसारण अधिकार नेटफ्लिक्स के पास है और फिल्म 18 सितंबर से वहां उपलब्ध होगी। सिनेमाघरों में प्रदर्शन के कुछ ही समय बाद डिजिटल मंच पर फिल्म के आने से अब इसके सिनेमाघरों में चलने का दौर धीरे–धीरे समाप्त होने

की ओर है। डिजिटल मंच पर जल्दी उपलब्ध होने के कारण सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या में आगे कमी आने की संभावना भी जताई जा रही है।

हालांकि, डिजिटल मंच पर आने से पहले फिल्म के पास बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ रुपये का आंकड़ा छूने का अच्छा अवसर है। खासकर छोटे शहरों और कस्बों के बी और सी श्रेणी के केंद्रों में फिल्म का प्रदर्शन स्थिर रहने की उम्मीद है। फिल्म के लिए एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि अगले सप्ताह नानी की फिल्म श्द पैराडाइजश् के रिलीज होने से पहले कोई बड़ी फिल्मी टक्कर नहीं है। ऐसे में श्इरुमुडीश् को एक और सप्ताहांत का लाभ मिल सकता है। यदि छुट्टियों और सप्ताहांत में दर्शकों का रुझान इसी तरह बना रहा तो फिल्म की वैश्विक कमाई 250 करोड़ रुपये के करीब या उससे आगे पहुंच सकती है।

इरुमुडीश् चाहे 250 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करे या नहीं, फिल्म ने रवि तेजा के करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज कर ली है। सिनेमाघरों में मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया और बड़ी संख्या में दर्शकों की मौजूदगी ने इसे उनकी अब तक की सबसे बड़ी सफल फिल्मों में शामिल कर दिया है।फिल्म की सफलता ने न केवल रवि तेजा की लोकप्रियता को मजबूत किया है, बल्कि आम दर्शकों के बीच उनके बॉक्स ऑफिस प्रभाव को भी नई मजबूती दी है।

रशिमका मंदाना का दिखेगा नया अवतार, गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक में आएंगी नजर

रश्मिका मंदाना अपने करियर में सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने के लिए तैयार हैं। खबर है कि वह कर्नाटक की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक में उनकी भूमिका निभाती दिखेगी। सुब्बुलक्ष्मी की भारतीय संगीत में अद्वितीय विरासत और योगदान को देखते हुए, इस अपडेट ने सोशल मीडिया पर हर किसी का ध्यान खींच लिया है। दिलचस्प बात यह है कि निर्माता परियोजना का ऐलान करने और जश्न मनाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन भी करने जा रहे हैं।

रश्मिका को आधिकारिक तौर पर सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुन लिया गया है। बताया जा रहा है कि इस भूमिका को निभाने से पहले उन्होंने स्क्रीन टेस्ट भी दिया था।फिल्म का नाम एमएस– ए लेगेसी ऑन स्क्रीन रखे जाने की संभावना है। 16 सितंबर, 2026 को गायिका की 110वीं जयंती के अवसर पर निर्माता फिल्म का आधिकारिक ऐलान करेंगे।

इस लॉन्च इवेंट में दिग्गज अभिनेता कमल हासन के शामिल होने की चर्चा भी है।

फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी गौतम तिन्ननुरी ने उठाई है। अनिरुद्ध रविचंदर को संगीतकार के रूप में चुना गया है। वहीं, अल्लू अरविंद, बन्नी वासु और रॉकलाइन वेंकटेश इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण कर रहे हैं।

बता दें, भारत रत्न से सम्मानित सुब्बुलक्ष्मी भारत की सबसे प्रतिष्ठित संगीत हस्तियों में से एक थीं, जिन्होंने गायन के साथ–साथ सेवासदनम, शकुंतलाई और सावित्री जैसी फिल्मों में भी योगदान दिया था।

कार्यक्रम के दौरान इंडियन कोरल एन्सेम्बल भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेगा।

अक्षय-सैफ की हैवान बाक्स आफिस पर पस्त, चार दिन में दुनियाभर में सिर्फ 12.63 करोड़

अक्षय कुमार और सैफ अली खान जैसे बड़े सितारों की मौजूदगी के बावजूद श्हैवानश् बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों को आकर्षित करने में नाकाम साबित हो रही है। मलयालम फिल्म श्ओप्पमश् की हिंदी पुनर्निर्मित फिल्म श्हैवानश् से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन रिलीज के शुरुआती चार दिनों में इसका कारोबार बेहद कमजोर रहा है। फिल्म ने दुनियाभर में अब तक सिर्फ 12.63 करोड़ रुपये की कमाई की है।फिल्म की कुल कमाई में भारत से 9.63 करोड़ रुपये और विदेशों से करीब 3 करोड़ रुपये का योगदान रहा है। बड़े सितारों और चर्चित कहानी के बावजूद फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट दर्ज की गई है।श्हैवानश् ने पहले दिन भारत में करीब 3 करोड़ रुपये की कमाई की थी। दूसरे दिन यह आंकड़ा घटकर 2.50 करोड़ रुपये रह गया। तीसरे दिन फिल्म ने करीब 1.85 करोड़ रुपये कमाए, जबकि चौथे दिन इसकी कमाई में भारी गिरावट आई और यह महज 70 लाख रुपये पर सिमट गई।ये आंकड़े भारत में फिल्म के 3,265 शो के हैं। लगातार गिरती कमाई ने फिल्म की आगे की राह मुश्किल कर दी है।श्हैवानश् में अक्षय कुमार और सैफ अली खान जैसे लोकप्रिय कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा बोमन ईरानी और श्रिया पिलगांवकर जैसे जाने–पहचाने कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म की कहानी में रहस्य और रोमांच का तड़का है, लेकिन इसके बावजूद दर्शकों की संख्या सिनेमाघरों में उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ी।फिल्म के कमजोर शुरुआती कारोबार को देखते हुए अब इसकी नजर आने वाले दिनों में दर्शकों की प्रतिक्रिया पर टिकी है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।